CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 132 ता. 18 नवम्बर 2021, गुरुवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

उपराष्ट्रपति ने बेंगलुरु टेक समिट (बीटीएस) 2021 का उद्घाटन किया

द्योगिकी का अंतिम लक्ष्य लोगों के जीवन में खुशियां लाना है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली ।

भारत के उपराष्ट्रपति, एम. वेंकैया नायडु ने आज वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और उद्यमियों से आग्रह किया कि वे मानवता की प्रगति और बड़े पैमाने पर समाज की बेहतरी के लिए ज्ञान धन एवं आर्थिक संपदा अर्जित करने हेतु नए विचारों और नवाचारों के साथ आगे आएं। बेंगलुरु में आज बेंगलुरु टेक समिट (बीटीएस) 2021 का उद्घाटन करते हुए, श्री नायडु ने कहा कि प्रौद्योगिकी का अंतिम लक्ष्य हमारे जीवन में खुशी लाना है और उन्होंने ऐसी प्रौद्योगिकियों के विकास का आह्वान किया जो लोगों की गंभीर समस्याओं का समाधान करें और उनके जीवन को खुशहाल और आरामदायक बनाएं। उपराष्ट्रपति ने कई क्षेत्रों में हाल के तकनीकी व्यवधानों को स्वीकार करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, प्रशासन और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार होने पर प्रौद्योगिकी की वास्तविक क्षमता को उजागर किया जा सकता है। उन्होंने कृषि उत्पादकता और आय में सुधार करने में सहायता देने के लिए सटीक कृषि, ऑनलाइन बाजारों (मार्केटप्लेस) और कृषि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे बेहतर कृषि-तकनीकी समाधानों को अपनाने का आह्वान किया। कृषि पर जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे प्रतिकूल प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने इस चुनौती के लिए तकनीकी समाधान ढूँढने का आह्वान किया। प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से शासन प्रणाली में बदलाव लाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने में मदद मिली है। 'साझा करने और एक-दूसरे का ध्यान रखने'' ('शेयर एंड केयर') के सदियों पुराने भारतीय दर्शन को दोहराते हुए, श्री नायडु ने आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन में भाग लेने वाले मानवता और दुनिया के बड़े अच्छे समय आपस के लिए अपने विचारों, अनुभवों और नवाचारों को साझा करके उपयोगी विचार-विमर्श करेंगे।

'मित्रों' के लिए और संपत्ति नहीं, जनता के लिए सही नीति बनाए सरकार: राहुल गांधी

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सामुदायिक रसोई योजना को लागू करने के लिए अखिल भारतीय नीति बनाने को लेकर केंद्र के जवाब पर उच्चतम न्यायालय की ओर से अप्रसन्नता जताए जाने के बाद बुधवार को कहा कि सरकार को अपने 'मित्रों' के लिए और संपत्ति नहीं, बल्कि जनता के लिए सही नीति बनानी चाहिए। उन्होंने न्यायालय की टिप्पणी से जुड़ी खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ''मित्रों के लिए और संपत्ति नहीं, जनता के लिए सही नीति बनाओ।'' उच्चतम न्यायालय ने सामुदायिक रसोई योजना को लागू करने के लिए अखिल भारतीय नीति बनाने को लेकर केंद्र के जवाब पर मंगलवार को गहरी अप्रसन्नता जतायी और यह टिप्पणी करते हुए राज्य सरकारों के साथ बैठक करने के लिए उसे तीन सप्ताह का समय दिया कि कल्याणकारी सरकार की पहली जिम्मेदारी 'भूख से मरने वाले लोगों को भोजन उपलब्ध कराना' है। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमन, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने जनहित याचिका पर केंद्र सरकार के हलफनामे को लेकर गहरी अप्रसन्नता जाहिर की, क्योंकि यह अवर सचिव के स्तर के एक अधिकारी द्वारा दायर किया गया था और इसमें प्रस्तावित योजना और उसे शुरू करने को लेकर किसी तरह की जानकारी नहीं दी गयी थी।

पहला कॉलम

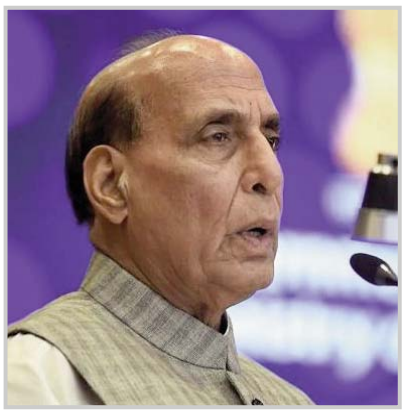

पूर्वी लद्दाख में नए सिरे से निर्मित स्मारक का उद्घाटन करेंगे रक्षा मंत्री

नेशनल डेस्क।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बृहस्पतिवार को पूर्वी लद्दाख के रेजांग ला में नए सिरे से बने युद्ध स्मारक का उद्घाटन करेंगे, जहां भारतीय सैनिकों ने 1962 में चीनी सेना का वीरता से मुकाबला किया था। स्मारक उन बहादुर भारतीय सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने रेजांग ला की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दी थी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि स्मारक का उद्घाटन करने के बाद, रक्षा मंत्री क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद की पृष्ठभूमि में सेना के शीर्ष कमांडरों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा भी करेंगे। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत भी अपनी लद्दाख यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री के साथ जाने के लिए तैयार हैं। सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे रेजांग ला में कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि वह इजरायल की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं।

राष्ट्रपति भवन में जबरन घुसने की कोशिश करने वाले दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली ।

राष्ट्रपति भवन में जबरन घुसने की कोशिश करने के लिए दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे हुई। पुलिस ने बताया कि एक पुरुष और उसकी महिला मित्र ने शराब के नशे में जबरन राष्ट्रपति भवन में घुसने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे दोनों सैलून में काम करते हैं।

जम्मू: कुलगाम में सेना का बड़ा ऑपरेशन, TRF कमांडर समेत पांच आतंकी ढेर- सर्च जारी

जम्मू:

जम्मू कश्मीर के कुलगाम के पोंबे और गोपालपोरा में पांच आर्तकियों के मारे जाने की खबर है। इस बीच बड़ी खबर यह है कि मुठभेड़ में टीआरएफ कमांडर सिकंदर भी मारा गया है। बता दें कि स्थानीय पुलिस ने क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी के बाद सुरक्षाबलों के सहयोग से संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान एक जगह में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में सुरक्षाबलों ने सबसे पहले आतंकियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। आतंकियों ने इस पर कोई जवाब न देने पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग शुरू कर दी है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है। कश्मीर के आइजी के विजय कुमार ने बताया कि अभी तक जारी दोनों मुठभेड़ में चार आतंकियों को मार गिरा दिया गया है। सुरक्षाबल अपने काम पर जुटे हैं। जल्द ही अन्य आर्तकियों का भी सफाया कर दिया जाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले कल भी श्रीनगर के हैदरपोरा इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों की मुठभेड़ में सोमवार को मारे गए दो आतंकियों में एक पाकिस्तानी है, जो रविवार को डाउनटाउन में हुए हमले में शामिल था। जबकि उसके दो मददगार भी मारे गए हैं।

सभी राज्यों की भूमिका भारत की संघीय व्यवस्था में 'सबका प्रयास' का बड़ा आधार है: पीएम मोदी

- प्रधानमंत्री ने 82वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र

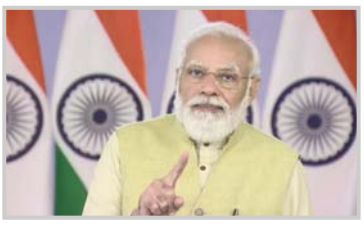

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यहां 82वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश और राज्यसभा के उपसभापति भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के लिये लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है। लोकतंत्र तो भारत का स्वभाव है, भारत की सहज प्रकृति है। उन्होंने जोर देते हुये कहा, 'हमें आने वाले वर्षों में, देश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है। यह संकल्प 'सबके प्रयास' से ही पूरे होंगे' और लोकतंत्र में, भारत की संघीय व्यवस्था में जब हम 'सबका प्रयास' की बात करते हैं, तो सभी राज्यों की भूमिका उसका बड़ा आधार होती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे पूर्वोत्तर की दशकों पुरानी समस्याओं का समाधान हो, दशकों से अटकी-लटकी विकास की तमाम बड़ी परियोजनाओं को पूरा करना हो, ऐसे कितने ही काम हैं जो देश ने बीते सालों में किये हैं, सबके प्रयास से ही किये हैं। उन्होंने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई को 'सबका प्रयास' के वृहद उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ने दृढ़तापूर्वक कहा कि हमारे सदन की परंपरायें और व्यवस्थायें स्वभाव से भारतीय हों। उन्होंने आह्वान किया कि हमारी नीतियां और हमारे कानून भारतीयता के भाव को, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को मजबूत करने वाले हों। उन्होंने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण, सदन में हमारा खुद का भी आचार-व्यवहार भारतीय मूल्यों के हिसाब से हो। यह हम सबकी जिम्मेदारी है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश विविधताओं से भरा है। उन्होंने कहा, 'अपनी हजारों वर्ष की विकास यात्रा में हम इस बात को अंगीकृत कर चुके हैं कि विविधता के बीच भी, एकता की भव्य और दिव्य अखंड धारा बहती है। एकता की यही अखंड धारा, हमारी विविधता को संजोती है, उसका संरक्षण करती है।' प्रधानमंत्री ने प्रस्ताव किया कि क्या साल में तीन-चार दिन सदन में ऐसे रखे जा सकते हैं, जिसमें समाज के लिये कुछ विशेष कर रहे जनप्रतिनिधि अपना अनुभव बतायें। अपने सामाजिक जीवन के इस पक्ष के बारे में देश को बतायें। उन्होंने कहा कि इससे दूसरे जनप्रतिनिधियों के साथ ही समाज के अन्य लोगों को भी कितना कुछ सीखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने यह प्रस्ताव भी रखा कि हम बेहतर चर्चा के लिये अलग से समय निर्धारित कर सकते हैं क्या?

उन्होंने कहा कि ऐसी चर्चा, जिसमें मर्यादा का, गंभीरता का पूरी तरह से पालन हो, कोई किसी पर राजनीतिक छींटाकशी न करे। एक तरह से वह सदन का सबसे 'स्वस्थ समय' हो, 'स्वस्थ दिवस' हो।

भारत के दबाव के आगे आखिर झुक गया पाकिस्तान, कुलभूषण जाधव को मिली बड़ी राहत

नेशनल डेस्क।

जासूसी मामले में जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव मामले में भारत को बड़ी कामयाबी मिली है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के निर्णय के अनुसार कुलभूषण जाधव को अपील करने का अधिकार देने के लिए पाकिस्तान की संसद की संयुक्त बैठक में एक विधेयक पारित किया गया है। अब कुलभूषण जाधव उच्च अदालतों में अपनी सजा के खिलाफ अपील कर पाएंगे।

क्या है मामला

पाकिस्तान की जेल में बंद कुलभूषण जाधव पर पड़ोसी देश कई झूठे आरोप लगा चुका हैं यहां तक कि उन्हें अपील करने का अधिकार तक नहीं दिया गया था, लेकिन अब पाकिस्तानी संसद ने अपील के अधिकार से जुड़े विधेयक पर मुहर लगा दी है। पाकिस्तान आरोप लगाता रहा है कि उसने जाधव को बलूचिस्तान से गिरफ्तार किया था और वह भारतीय जासूस हैं। मार्च 2016 में पकड़े गए पूर्व नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव को जासूस करार देते हुए पाकिस्तान ने सैन्य अदालत में कोर्ट मार्शल कर सजा-ए-मौत सुना दी थी। इसके खिलाफ भारत ने 2017 में अंतरराष्ट्रीय अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

प्रदूषण पर सरकारों के रवैये से सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी, कहा कुछ नहीं करना चाहते ब्यूरोक्रेट

नई दिल्ली ।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट कोर्ट में केंद्र सरकार ने वर्क फ्राम होम की सुविधा देने से इनकार कर दिया है। केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि प्रदूषण को कम करने के लिए कार पूलिंग के पक्ष में है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों हुई सुनवाई के दौरान केंद्र और दिल्ली सरकार को अपने कर्मचारियों को वर्क फ्राम होम की सुविधा देने के साथ-साथ वाहनों में कटौती करने का विकल्प सुझाया था। हरियाणा ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश होगा वो उसका पालन करेंगे। दिल ली की तरफ से भी यही बात कही गई है। वहीं पंजाब ने कहा कि वो दिल्ली-एनसीआर में नहीं आता है, इसके बावजूद वो दिशा-निर्देशों का पालन करेगा। अब इस मामले की सुनवाई 24 नवंबर को होगी। कोर्ट ने माना है कि इस मामले में ब यूरोक्रेट्स कुछ नहीं करना चाहते हैं। केंद्र ने सुनवाई के दौरान कहा कि कार पुलिंग के जरिए सड़कों पर वाहनों को कम करने में मदद मिल सकती है। इसका सीधा असर बढ़ते प्रदूषण को घटाने पर भी पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट में सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उनको लेकर मीडिया में गलत बयानबाजी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन होंने कहा कि इनमें बताया जा रहा है कि वह पराली जलाने के मामले में कोर्ट को गुमराह कर रहे हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह इस तरह की बयानबाजी से गुमराह नहीं होने वाला है। कोर्ट ने साफ कहा कि हमारी सोच पूरी तरह से साफ है, लिहाजा इस तरह की बातों पर ध्यान न दिया जाए। तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि ऐसी इंडस्ट्री जो ऊर्जा के लिए ऐसे ईंधन का उपयोग कर रही हैं जिनको मंजूरी नहीं मिली है, को तुरंत बंद कर देना चाहिए। ऐसे उद्योग जहां पर गैस को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने का विकल्प है, उन्हें तुरंत इस पर शिफ्ट हो जाना चाहिए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि कमीशन ने दिल्ली और एनसीआर के राज्यों के लिए डायरेक्शन भी जारी की है। इसमें ये सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सभी उद्योगों को गैस की सुविधा दी जाए और ईंधन के रूप में इसका ही उपयोग किया जाए। कोर्ट को यह भी बताया गया कि कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट फार दिल्ली एनसीआर ने पड़ोसी राज्यों के चीफ सेक्रेट्री के साथ में बैठक की थी। इस दौरान राज्यों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए थे।

कांग्रेस ने 70 सालों में देश के लोगों को सशक्त करने की कोशिश नहीं की: नड्डा

नई दिल्ली ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 70 सालों तक देश की सत्ता पर काबिज रहने के बावजूद उसने लोगों को सशक्त करने की कोई कोशिश नहीं की। जबकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शौचालय, बिजली और स्वास्थ्य जैसी योजनाओं का लाभ देकर उनका सशक्तीकरण किया। राजधानी दिल्ली में मॉडल टाउन के निकट आयोजित सार्थक चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की ओर से चलाए गए शौचालय निर्माण के कार्य, उज्ज्वला, उजाला और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से लोगों का स्वाभिमान जागृत हुआ और उन्हें मजबूत बनाया। उन्होंने कहा जो अंतिम पायदान पर खड़ा है, उसको पैसे की जरूरत नहीं है। उसको मजबूती प्रदान करने की जरूरत है। उसको खड़ा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने 70 साल में क्या किया? बांटते चले गए, बांटते चले गए और बांटते चले गए और चुनाव के दौरान एहसान जताकर वोट लेते रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न तो लोगों को खड़ा किया और न ही उन्हें मजबूती प्रदान की।

नड्डा ने कहा कांग्रेस ने अगर लोगों को मजबूती प्रदान की होती तो यह स्थिति नहीं आती कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी को 10 करोड़ बहनों को 'इज्जत घर' के रूप में शौचालय देने पड़ते। आप सोचिए 2014 के पहले देश कैसा था जहां महिलाओं को शौच के लिए सूर्योदय और सूर्यास्त का इंतजार करना पड़ता था। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें एहसान तले नहीं दबाया बल्कि उनका सशक्तीकरण किया। केंद्र सरकार की अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं और मिल रहे लाभों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा यह छोटी संख्या नहीं है।

भारत- फ्रांस की दो टूक

अफगानिस्तान की जमीन को आतंकवाद का स्रोत नहीं बनने दें

नई दिल्ली ।

भारत और फ्रांस ने कहा है कि अफगानिस्तान की जमीन को आतंकवाद का स्रोत नहीं बनना चाहिए। दोनों देशों ने साथ ही लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुई बैठक में सीमा पार आतंकी गतिविधियों सहित आतंकवाद के सभी स्वरूपों के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता का संकल्प लिया गया। दोनों देशों ने 'आतंक के लिए कोई धन नहीं' विषय पर भारत की ओर से आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे संस्करण की तैयारियों के मद्देनजर सक्रिय समन्वय की इच्छा जाहिर की।उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक उपकरण के रूप में आतंकवादियों और इसतरह के समूहों का बहिष्कार करने और आतंकी समूहों एवं व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंध की प्रक्रिया एवं प्राथमिकताओं के बारे में सूचना साझा करने के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया। मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों एवं क्षेत्रीय परिवेश में उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे के संबंध में अपना आकलन साझा किया। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, 'दोनों देशों ने इस बात को रेखांकित किया कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है, कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 2593 प्रस्ताव के अनुरूप अफगानिस्तान की जमीन क्षेत्रीय या वैश्विक (स्तर पर) आतंकवाद एवं कट्टरवाद का स्रोत नहीं बने तथा इसे फिर से किसी देश पर हमला करने या धमकाने अथवा आतंकवादियों को पनाह देने, भर्ती एवं प्रशिक्षित करने या आतंकवादी हमले की योजना और वित्त पोषण के लिये इस्तेमाल नहीं किया जा सके।भारत और फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकी समूहों एवं व्यक्तियों से उत्पन्न खतरों के बारे में चर्चा की। अलकायदा और आईएसआईएस के साथ लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन सहित सभी आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ 'ठोस कार्रवाई' करने की जरूरत बताई। यह बैठक उस समय में हुई है, जब 13 वर्ष पहले 2008 में नवंबर में ही मुम्बई में आतंकवादी हमला हुआ था तथा 2015 में नवंबर माह में ही पेरिस में हमला हुआ था। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में भारत और फ्रांस ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों की एक स्वर में निंदा की। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सभी देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके क्षेत्र का आतंकवादी हमले की योजना बनाने या आतंकवादी हमले के लिये इस्तेमाल नहीं किया जाए। दोनों देशों ने कहा कि सभी देशों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके नियंत्रण वाले क्षेत्र का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ आतंकवादी हमला करने, आतंकवादियों को प्रशिक्षण या पनाह देने के लिये नहीं किया जाए। दोनों देशों ने आतंकवाद से मुकाबला के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग तथा वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के बारे में भी चर्चा की।

17 राज्यों ने 15 नवंबर को उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किए

'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर पूरे भारत में आजादी का अमृत महोत्सव शुरू

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिष्ठित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और नेता बिरसा मुंडा की जयंती परआजादी का अमृत महोत्सव समारोह के एक भाग के रूप में 15 नवंबर, 2021 को 'जनजातीय गौरव दिवस' के समारोहों को झंडी दिखाई। ये उत्सव 22 नवंबर,2021 तक एक सप्ताह चलेगा। पीएम मोदी ने 15 नवंबर को रांची में बिरसा मुंडा स्वतंत्रता सेनानी पार्कसहसंग्रहालय का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन किया। इसमें प्रधानमंत्री के साथ आदिवासी समुदायों के 2 लाख से अधिक लोग शामिल हुए। रांची संग्रहालय उन दस संग्रहालयों में से पहला है जिन्हें भारत सरकार द्वारा आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों को श्रद्धांजलि के रूप में मंजूरी दी गई है। यह दिवस जनजातीय समुदायों द्वारा अपनी जनजातीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और जनजातीय उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए किए गए प्रयासों को मान्यता देने के लिए प्रत्येक वर्ष मनाया जाएगा। इस राष्ट्रव्यापी प्रयास के एक हिस्से के रूप में, 17 राज्यों ने आदिवासी संस्कृति और विरासत को प्रदर्शितकरने वाले उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किए। आंध्र प्रदेश 15 से 19 नवंबर 2021 तक 5 दिवसीय राज्य स्तरीय जनजातीय शिल्प मेला (प्रदर्शनीसहबिक्री) का आयोजन कर रहा है। यह आरके समुद्र तट (बीच) पर विश्वप्रिया फंक्शन हॉल के सामने जीवीएमसी मैदान में आयोजित किया जा रहा है। प्रदर्शनी का उद्घाटन आंध्र प्रदेश के आदिवासी कल्याण निदेशक रंजीत बाशा ने किया। बैठक के बाद आदिवासी सांस्कृतिक समूहों ने ढिमसा, कोमू,सावरा,कोया और चेंचू नृत्य प्रस्तुत किए।

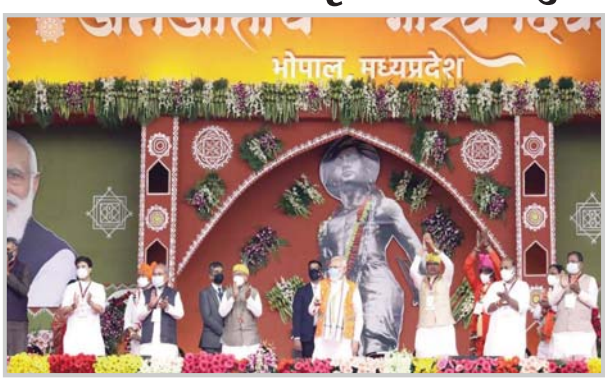

पीएम 19 नवंबर को यूपी के दौरे पर, 6250 करोड़ रु की कई विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन् द्र मोदी 19 नवंबर को उत्तर प्रदेश के महोबा और झांसी जिलों का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री जल संकट को दूर करने की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत अपराह्न लगभग 2:45 बजे महोबा में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इन परियोजनाओं से इस क्षेत्र में जल की कमी की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी और किसानों को आवश यक राहत मिलेगी। इन परियोजनाओं में अर्जुन सहायक परियोजना, रतौली वियर परियोजना, भवानी बांध परियोजना और मझगांव-मिर्च छिड़काव परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत 3250 करोड़ रुपये से भी अधिक है और इनके पूरा हो जाने से महोबा, हमीरपुर, बांदा और ललितपुर जिलों में लगभग 65000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई में मदद मिलेगी, जिससे क्षेत्र के लाखों किसान लाभान्वित होंगे। इन परियोजनाओं से इस क्षेत्र में पीने योग्य पेयजल भी उपलब्ध होगा। प्रधानमंत्री सायं लगभग 5:15 बजे एक कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिस दौरान वह झांसी के गरौठा में 600 मेगावाट के अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क की आधारशिला रखेंगे। इसका निर्माण 3000 करोड़ रुपये से भी अधिक की लागत से किया जा रहा है, और यह सस्ती बिजली एवं ग्रिड स्थिरता के रूप में दोहरे लाभ प्रदान करने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री झांसी में 'अटल एकता पार्क' का भी उद्घाटन करेंगे। इस पार्क का नाम पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा गया है। यह पार्क 11 करोड़ रुपये से भी अधिक की लागत से बनाया गया है और यह लगभग 40,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें एक पुस्तकालय के साथ-साथ श्री अटल बिहारी वाजपेयी की एक प्रतिमा भी होगी। इस प्रतिमा का निर्माण प्रसिद्ध मूर्तिकार श्याम सुतार ने किया है, जिनका अहम योगदान 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' में भी रहा है।

सिंधिया की मांग पूरी, मप्र में एयरक्राफ्ट टर्बाइन फ्यूल वैट घटाकर चार प्रतिशत किया गया

भोपाल । मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने प्रदेश में हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए भोपाल और इंदौर हवाई अड्डों पर विमान ईंधन एयरक्राफ्ट टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) को घटाकर चार प्रतिशत कर दिया है। इस फैसले से हवाई किराए में कमी आएगी है। जनसंपर्क विभाग के अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में भोपाल और इंदौर हवाई अड्डों पर एटीएफ पर वैट 25 प्रतिशत था। मंत्रिमंडल ने इस कम करने का निर्णय लिया और अब चार प्रतिशत हो जाएगा। प्रदेश के ग्वालियर, जबलपुर और खजुराहो हवाई अड्डों, जहां एटीएफ पर 4 प्रतिशत वैट है, की तरह भोपाल और इंदौर हवाई अड्डों पर भी इस 25 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि निर्णय से प्रदेश में हवाई संपर्क बढ़ाने के अलावा पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारी ने कहा कि कदम से विमानन कंपनियां विमान किराया कम करने, प्रदेश से और उड़ानें शुरू करने और हवाई यात्रियों को सुविधाएं देने के लिए प्रेरित होंगी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पहले मांग की थी कि मध्य प्रदेश में एटीएफ पर वैट को एक समान चार प्रतिशत की दर पर किया जाए, ताकि उनके गृह राज्य में और उड़ानें संचालित हो सकें।

पश्चिम बंगाल में क्षतिग्रस्त की गई मूर्तियां, इलाके में तनाव

बशीरहाट। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बुधवार सुबह आगामी त्योहार के लिए तैयार की जा रही हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद से इलाके में तनाव पैदा हो गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया स्वरूपनगर थाना क्षेत्र के सारापूल में 'रास उत्सव' के लिए मूर्तियां तैयार की जा रही थीं। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचित किए जाने के बाद क्षतिग्रस्त मूर्तियों को हटा लिया गया और उपद्रवियों की तलाश के लिए जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बशीरहाट जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) जोबी थॉमस ने बताया, हमें सूचना मिली थी कि अज्ञात बदमाशों ने हिंदू देवी-देवताओं की कुछ मूर्तियां क्षतिग्रस्त की हैं। हमारे अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम उपद्रियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, उन्होने कहा कि ऐसा करने वालों के खिलाफ हम कानूनी कार्रवाई करेंगे। उत्तर 24 परगना जिले के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना के बाद से इलाके में तनाव व्याप्त हो गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। ज्ञात हो कि स्वरूपनगर बांग्लादेश के साथ भारत की लगती सीमा के पास स्थित है।

पीएम मोदी 19 को झांसी में 'राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व' पर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को महत्वपूर्ण बढ़ावा देंगे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को उत्तर प्रदेश में झांसी की अपनी यात्रा के दौरान, शाम को लगभग 5:15 बजे, 'राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व' में रक्षा क्षेत्र की कई पहलों का शुभारंभ करेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह कार्यक्रम झांसी में 17 से 19 नवंबर तक 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए, प्रधानमंत्री औपचारिक रूप से स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किए गए उपकरणों को सशस्त्र बलों के सेवा प्रमुखों को सौंपेंगे। इनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को डिजाइन और विकसित लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) को वायु सेना प्रमुख को; थल सेनाध्यक्ष को भारतीय स्टार्टअप द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए ड्रोन/यूएवी; और डीआरडीओ द्वारा डिजाइन किया और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा नौसेना के जहाजों के लिए निर्मित उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट को नौसेनाध्यक्ष को सौंपना शामिल है। एलसीएच में प्रभावी लड़ाकू भूमिकाओं के लिए उन्नत तकनीकों और चालबाज़ सुविधाओं को शामिल किया गया है। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा भारतीय यूएवी की तैनाती भी भारतीय ड्रोन उद्योग इकोसिस्टम की बढ़ती परिपक्वता का प्रमाण है। उन्नत ईडब्ल्यू सूट का उपयोग विभिन्न नौसैनिक जहाजों में किया जाएगा, जिनमें विध्वंसक, युद्धपोत आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के झांसी खंड में 400 करोड़ रुपये की परियोजना का शिलान्यास करेंगे। टैंक रोधी निर्देशित मिसाइलों के लिए प्रणोदन प्रणाली का उत्पादन करने के लिए एक संयंत्र स्थापित करने के लिए भारत डायनेमिक्स लिमिटेड द्वारा इस परियोजना को कार्यान्वित किया जा रहा है। एनसीसी के पूर्व छात्रों को एनसीसी के साथ फिर से जोड़ने में सक्षम बनाने के लिए एक औपचारिक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री एनसीसी पूर्व छात्र संघ का शुभारंभ करेंगे। यह संघ एनसीसी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएगा और राष्ट्र निर्माण में सहायता करेगा।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के सात प्रमुख नेताओं ने त्यागपत्र दिया

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर से नाराज

जम्मू ।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के सात प्रमुख नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को अपना त्यागपत्र भेजकर दावा किया है, कि उन्हें केंद्रशासित प्रदेश में पार्टी से संबंधित मामलों को लेकर अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया। त्यागपत्र भेजने वालों में चार पूर्व मंत्री और तीन विधायक शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि ये पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के करीबी हैं। कांग्रेस के इन नेताओं के इस्तीफे से कुछ दिनों पहले ही आजाद ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया था। सूत्रों ने इस्तीफा देने वाले नेताओं के नाम प्रकट नहीं किए हैं। उनका कहना है कि इन नेताओं ने सोनिया के अलावा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी की प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल को भी इस्तीफे की प्रतियां भेजी हैं। त्यागपत्र में इन नेताओं ने आरोप लगाया है, कि उन्हें प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के 'शत्रुतापूर्ण रवैये' के चलते यह कदम उठाना पड़ा। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर पर निशाना साधा है।सूत्रों ने बताया कि पूर्व उप मुख्यमंत्री तारा चंद सहित आजाद के करीब कुछ अन्य नेताओं ने इस्तीफा देने वाले नेताओं से दूरी बना ली है। इन नेताओं ने त्यागपत्र में कहा कि उन्होंने अपने मुद्दों की तरफ पार्टी आलाकमान का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें समय नहीं दिया गया। इन नेताओं का कहना है कि वे पिछले करीब एक साल से पार्टी नेतृत्व से मिलने का समय मांग रहे थे, लेकिन उन्हें समय नहीं दिया गया। मीर पर निशाना साधकर उन्होंने कहा कि मीर के अध्यक्ष रहते पार्टी ही बहुत दयनीय स्थिति की तरफ बढ़ रही है और पार्टी के बहुत सारे नेता इस्तीफा देकर दूसरे दलों में शामिल हो गए, लेकिन कुछ ने खामोश रहने का फैसला किया है।उन्होंने आरोप भी लगाया कि जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के कामकाज पर कुछ नेताओं पे कब्जा जमा रखा है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस आलाकमान ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि किसी भी चिंता का निदान पार्टी की व्यवस्था के तहत किया जाएगा और मीडिया के जरिये कुछ नहीं होगा। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है क्योंकि उन्होंने पार्टी आलाकमान पर निशाना साधा है।

पीएम मोदी के प्रस्तावक रहे छन्नू लाल मिश्र ने अखिलेश से की मुलाकात, सियासी अटकलों का दौर शुरू

नई दिल्ली।

देश के मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र पद्मविभूषण पुरस्कार से सम्मानित हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी वाराणसी से चुनाव लड़ने पहुंचे थे तो छन्नूलाल मिश्र ही उनके प्रस्तावक बने थे। लेकिन, छन्नूलाल मिश्र की सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ बुधवार को वाराणसी एयरपोर्ट पर हुई मुलाकात के बाद इसके सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश बुधवार को पूर्वांचल के गाजीपुर में जनसभा को संबोधित करने के लिए वाराणसी के एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां उनकी मुलाकात मशहूर शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र से हुई थी। इस मुलाकात की तस्वीर समाजवादी पार्टी ने ट्वीट कर दी है। इसमें अखिलेश यादव के साथ भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर एक सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं तो बगल वाले दूसरे सोफे पर छन्नूलाल मिश्र और उनके एक साथी भी हैं। वाराणसी एयरपोर्ट पर हुई मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव और छन्नूलाल मिश्र के बीच क्या बातचीत हुई है। यह बात सामने नहीं आ सकी है। तस्वीर में अखिलेश यादव और छन्नूलाल मिश्र आपस में बात कर रहे हैं और राजभर ध्यान से सुन रहे हैं।बता दें कि कोरोना के दूसरी लहर में छन्नूलाल मिश्र की बड़ी बेटी संगीता मिश्र की वाराणसी के ही एक निजी अस्पताल में कोविड-19 से मौत हो गई थी। इससे छन्नूलाल मिश्र काफी दुखी हुए थे और उन्होंने मीडिया के सामने आकर न्याय की गुहार लगाई थी। छन्नूलाल मिश्र ने कहा था मैं अपनी बेटी की मौत से इतना दुखी हूं कि बता नहीं सकता। सोचता रहता हूं कि आखिर उसके साथ क्या हुआ होगा। इसीलिए हम सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग कर रहें हैं, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। सात दिनों के अंदर ही बेटी की मौत हो गई। इसके लिए छन्नूलाल मिश्र ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई थी। इस घटना के बाद से छन्नूलाल मिश्र और उनका परिवार काफी दुखी और नाराज माना जा रहा है।

निचली अदालतों को पक्षकारों के अनुरोध पर हाइब्रिड (एक साथ ऑनलाइन-ऑफलाइन सुनवाई) या वीडियो कॉन्फ्रेंस से सुनवाई करने की अनुमति दी थी

अदालतें उसके सभी न्यायाधीशों की बैठक में पारित निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य

नई दिल्ली ।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि अदालतें उसके सभी न्यायाधीशों की बैठक में पारित निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य हैं,जिसमें निचली अदालतों को पक्षकारों के अनुरोध पर हाइब्रिड (एक साथ ऑनलाइन-ऑफलाइन सुनवाई) या वीडियो कॉन्फ्रेंस से सुनवाई करने की अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने नोटिस जारी करके दिल्ली सरकार और उच्च न्यायालय से उस अर्जी पर जवाब मांगा, जिसमें दावा किया गया था कि जिला अदालतें सभी न्यायाधीशों की बैठक अनुमति नहीं दे रही हैं। पीठ ने कहा,उच्च न्यायालय पहले ही निर्देश जारी कर चुका है। वे इसका पालन करने के लिए बाध्य हैं।वकीलों की दो याचिकाओं पर उच्च न्यायालय सुनवाई कर रहा था,इसमें कोरोना के खतरे के चलते प्रत्यक्ष मौजूदगी में सुनवाई के दिनों में जिला अदालतों में हाइब्रिड सुनवाई करने सहित विभिन्न अनुरोध किए गए हैं। वकील की ताजा अर्जी में कहा गया है, कि उच्च न्यायालय के प्रशासनिक पक्ष की ओर से पारित इन निर्देशों के बावजूद कि जिला अदालतें हाइब्रिड और वीडियो कॉन्फ्रेंस से सुनवाई की अनुमति देंगी, अधीनस्थ अदालतें इसका अनुपालन नहीं कर रही हैं। वकील का अनुरोध कर रहे हैं, तब भी निचली अदालतों के कुछ न्यायाधीशों इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं। दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील अनुज अग्रवाल ने कहा कि उन्हें भी इसी तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। अदालत ने मामले को बृहस्पतिवार को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। दिल्ली उच्च न्यायालय का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता अनुराग अहलूवालिया ने कहा कि वह इस संबंध में निर्देश प्राप्त करेंगे। अदालत ने पहले कहा था कि कोरोना मामलों में वृद्धि की आशंका है और जिला अदालतों एवं अन्य अर्ध-न्यायिक निकायों में हाइब्रिड सुनवाई के कहा था कि वह यह जानने के लिए उत्सुक है कि कैसे पीडब्ल्यूडी अधिकारियों द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के विशेषज्ञों की भागीदारी के बिना 79 करोड़ रुपये से अधिक का संशोधित अनुमान÷ निकाला गया और फिर दिल्ली सरकार के वित्त विभाग को भेज दिया गया। अदालत ने तथ्य का संज्ञान लिया था कि इससे पहले उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री द्वारा दिल्ली सरकार को प्रस्तुत किये गए 220 करोड़ रुपये से अधिक के पूर्ववर्ती अनुमान को हाइब्रिड सुनवाई के लिए स्थापित करने वाले बुनियादी ढांचे के कम विनिर्देशों के कारण 79.48 करोड़ रुपये तक लाया गया

पहले के आदेश के अनुपालन में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय देकर मामले को 13 दिसंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था। अदालत ने पहले यह जानना चाहा था कि निचली अदालत में प्रणाली कब स्थापित

संक्षिप्त समाचार

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह भगौड़ा घोषित, 30 दिनों के भीतर हाजिर होने का अल्टीमेटम

नेशनल डेस्क। मुम्बई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह को बड़ा झटका लगा है। लंबे समय से लापता चल रहे मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह को बुधवार को अदालत ने भगोड़ा घोषित कर दिया है। उन पर अवैध वसूली का मामला दर्ज है। परमबीर सिंह को 30 दिनों के भीतर हाजिर होने का अल्टीमेटम भी दिया गया है। ऐसे में अगर वो समय पर हाजिर नहीं होते हैं तो उनकी संपत्ति जब्त की जाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि परमबीर सिंह के मई 2021 से लापता होने के बाद पहले ही उन्हें निलंबित करने का प्रस्ताव दिया था। गृह विभाग ने उनके खिलाफ एंटीलिया विस्फोटक मामले में हुई सुरक्षा में चूक के लिए विभागीय जांच भी शुरू कर दी है।

भारत और न्यूजीलैंड साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध पर साथ में काम करने का राजी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध एवं क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में करीबी सहयोग के साथ काम करने पर सहमत हुए। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।मंत्रालय के बयान के अनुसार, बुधवार को संपन्न दो दिवसीय डिजिटल वार्ता में दोनों देशों के बीच साइबर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया गया। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है, कि भारत-न्यूजीलैंड द्विपक्षीय साइबर वार्ता के दूसरे संस्करण में साइबर क्षेत्र में वर्तमान सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई तथा इसे और आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई । बयान में कहा गया है, ''साइबर वार्ता के दौरान दोनों देशों ने साइबर क्षेत्र में वर्तमान द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा की और साइबर मुद्दे पर हालिया घटनाक्रमों पर विचारों का आदान प्रदान किया तथा इस क्षेत्र में सहयोग और बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया।'' बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने साइबर सुरक्षा, साइबर अपराध तथा क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में करीबी सहयोग के साथ काम करने पर सहमति व्यक्त की तथा आपसी हित से जुड़े विविध विषयों पर चर्चा की। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में साइबर कूटनीति पर संयुक्त सचिव अतुल मल्हारी गोटसुर्वे ने किया, जबकि न्यूजीलैंड के शिष्टमंडल का नेतृत्व वहां की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के निदेशक डॉन एटॉन ने किया।

भगवंत मान के नेतृत्व में इस दिन करतारपुर साहिब जाएंगे 'आप' विधायक

संगरूर। आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रधान और संगरूर से लोकसभा मैंबर भगवंत मान ने करतारपुर साहिब रास्ता खोले जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि 19 नवंबर को 'आप' पंजाब के विधायक उनके नेतृत्व में गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर नतमस्तक होने के लिए जाएंगे। भगवंत मान ने कहा कि यह बड़ी अच्छी खबर है कि पहले बादशाह श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व मौके रास्ते खोला गया है और संगतों को दर्शन-दीदार करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि हम उस धरती की मिट्टी को साथ लेकर आएंगे, जहां गुरु नानक देव जी ने खेती की। भगवंत मान ने एक वीडियो संदेश जारी करते कहा कि 'आप' का वफद गुरुद्वारा दरबार साहिब नतमस्तक हो कर पंजाब की खुशहाली और तरक्की के लिए अरदास करेगा। उन्होंने कहा कि जहां गुरु साहिब ने अपनी जिंदगी के आखिरी 16 साल खेती की। हम वहां से मिट्टी लेकर आंगे, जिससे हमारी तरफ से पंजाब को पंजाब बनाने की जो लड़ाई लड़ी जा रही है, परमात्मा उस लड़ाई में हमारे अंग-संग सहायक हों। जिक्रयोग्य है कि इससे पहले मुख्यमंत्री चन्नी ने भी ऐलान किया है कि 18 नवंबर को वह और उनकी समुची पंजाब कैबिनेट श्री करतारपुर साहब के दर्शन करने जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा था चाहे यह रास्ता खोलने का फैसला देर से लिया गया है परन्तु फिर भी वह केंद्र के फैसले का स्वागत करते हैं, उन्होंने इस मौके पर सभी संगतों को बधाईयां दीं।

भारत में लोग पैर छूते हैं, लेकिन पाकिस्तान में मुझे काफिर बुलाते हैं : फराज अनवर

नई दिल्ली। पाकिस्तान के मशहूर संगीतकार, गायक-गीतकार, गिटारिस्ट और बैंडलीडर फराज अनवर ने अपने देश में म्यूजिशियन के रूप में अपने संघर्ष की दास्तां को बयान किया है। पाकिस्तान में हेवी मेटल और हार्ड रॉक जॉनर में नाम कमाने वाले फराज लगभग 3 दशकों से संगीत से जुड़े हैं, लेकिन पाकिस्तान जैसे देश में उनके लिए चुनौतियां अब भी कम नहीं हुई हैं। अली हैदर, जुनून, जुनैद जमशेद, सज्जाद अली और स्ट्रिंग्स जैसे पाकिस्तान के मशहूर आर्टिस्ट्स के साथ काम कर चुके फराज ने इस्लाम में म्यूजिक को हराम बताए जाने को लेकर अफसोस जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि मैंने यह एहसास किया है कि लोग समझ नहीं पाते हैं कि आर्टिस्ट कैसे काम करते हैं। आज के दौर में भी लोगों को लगता है कि म्यूजिक एक साइड बिजनेस है। संगीत से वही लोग जुड़ते हैं जिनके परिवार वालों की आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। मैं आश्वस्त हूं कि म्यूजिक आर्टिस्ट्स के साथ भेदभाव भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि मैं सन 2005 में एक स्टूडियो बनाना चाहता था, लेकिन हम कोई लोकेशन ही पक्की नहीं कर पा रहे थे। हम जहां भी जाते, लोग कहते कि वे बहुत रूढ़िवादी मुस्लिम हैं और वे म्यूजिक आर्टिस्ट्स को स्टूडियो खोलने नहीं दे सकते हैं। यही नहीं मुझे कराची में घर लेते समय भी इस तरह के सवालों से जूझना पड़ता था। अनवर ने बताया कि एक बार पाकिस्तान में उनका बैंक अकाउंट खोलने से भी मना कर दिया गया था। उन्होंने बताया कि मुझे एक डॉलर अकाउंट खोलना था, क्योंकि मैं ऑनलाइन क्लासेस देता हूं। मुझे कहा गया कि मेरी रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया गया है, क्योंकि मैं एक म्यूजिक आर्टिस्ट हूं। मैंने परेशानी भरे लहजे में पूछा था कि क्या मैं काफिर हूं? तब उस बैंक कर्मचारी ने हामी भरी थी। फराज ने कहा कि मैं जब अपने भारतीय फैंस से मिलता हूं तो वे मेरे पांव छूते हैं, जबकि पाकिस्तानी भारतीय गाने सुनते हुए मुझे %कंजर, मिरासी% कहकर बुलाते हैं। मैंने कुरान को अलग-अलग

सार समाचार

कड़कड़ाती ठंड में ठिठुर रहे हजारों शरणार्थी, पोलैंड के सीमा पर तैनात 12 हजार सैनिक

पोलैंड ने बेलारूस के साथ लगने वाली पूर्वी सीमा पर प्रवासियों को देश में घुसने से रोक दिया है। इस बीच एक वीडियो भी सामने आ रही है जिसमें हजारों की संख्या में प्रवासी कांटेदार सीमाओं के पास खड़े है और अंदर घुसने की कोशिश कर रहे है लेकिन उन्हें पीछे धकेला जा रहा है। उल्लेखनीय है कि, पोलैंड की सरकार ने इस संकट से निपटने के लिए सोमवार को एक बैठक बुलाई और सीमा के पास लगभग 12000 जवानों को भी तैनात करने के निर्देश दिए है। पोलैंड ने साथ ही बेलारूस पर शत्रुतापूर्ण गतिविधि करने और प्रवासियों को सीमा की ओर धकेलने का आरोप लगाया है। पोलैंड के अलावा, लिथुआनिया और लातविया ने भी कहा कि, बेलारूस से कई प्रवासी अवैध तरीके से देशों में घुस रहे है। इसमें ज्यादातर मध्य पूर्व और एशिया से आए हुए लोग है।

ठंड से ठिठुर रहे प्रवासी

पोलैंड सीमा के पास तैनात गार्ड ने कहा कि, सुबह से सीमा के बंद रहने से वहां मौजुद प्रवासियों की हालत खराब हो रही है। बता दें कि, इस क्षेत्र का तापमान शून्य से भी नीचे गिर जाता है जिसके कारण उनकी सुरक्षा का खतरा बढ़ता जा रहा है। पोलैंड ने सीमा पार आए सभी प्रवासियों को बाहर निकाल दिया है और बेलारूस अपने लोगों को वापस देश लौटने नहीं दे रहा है जिसके कारण सारे शरणार्थी पोलैंड की जगंलों में फंस कर रहे गए हैं। तापमान शून्य होने के कारण सभी प्रवासी ठंड से ठिठुर रहे है। जानकारी के लिए बता दें कि, अब तक कई प्रवासियों की मौत हाइपोथर्मिया से हो चुकी है। प्रवासियों का कहना है कि, खाने-पीने की कमी बहुत हो रही हैं और इससे कठिनाइयां बढ़ती जा रही है। बता दें कि लिथुआनिया ने बढ़ते प्रवासियों की भीड़ से निपटने के लिए बेलारूस के साथ लगी अपनी सीमा पर सैनिकों को तैनात कर दिया है। अगर आपातकाल स्थिति आती है तो उस संकट का सामना करने के लिए उन सैनिकों की तैनाती की गई है।

इजराइल ने सीरिया की राजधानी में दागे दो मिसाइल, कोई हताहत नहीं

दमिश्क। सीरिया की राजधानी में बुधवार तड़के इज़राइल की ओर से दो मिसाइल दागी गईं। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने बताया कि मिसाइल इज़राइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स से दागी गईं, जिसे राजधानी दमिश्क के दक्षिण हिस्से में एक मकान को निशाना बनाते हुए दागा गया था। सीरिया रक्षा प्रणाली ने एक मिसाइल को बीच में ही रोक दिया। हमले में कोई नुकसान नहीं हुआ है। सना के अनुसार, इज़राइल अधिकतर रात के समय सीरिया पर हमले करता है। बुधवार का हमला भी आधीरात के थोड़ी देर बाद ही किया गया। इज़राइल ने पिछले कुछ वर्षों में सीरिया पर कई हमले किए हैं, लेकिन कभी उसने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली।

फिलीपींस के राष्ट्रपति दुतेर्ते की बेटी ने 2022 के चुनावों में मार्कोस जूनियर के साथ गठबंधन किया

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते की बेटी और 2022 के चुनावों में उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रही सारा दुतेर्ते कार्पियो ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ अपने गठबंधन की पुष्टि की, जो अब चुनाव का नेतृत्व कर रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को अपनी उम्मीदवारी दाखिल करने के बाद पहली बार 43 वर्षीय दुतेर्ते कार्पियो ने फिलीपींस के लोगों से उनका समर्थन करने की अपील की। फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट में, दुतेर्ते -कार्पियो ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चुनौतियों के बीच चुनाव जीतने तक फिलीपींस उनकी मदद और समर्थन करेगा। पूर्व राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस के इकलौते बेटे 64 वर्षीय मार्कोस ने एक अलग बयान में अपने गठबंधन की पुष्टि की। दुतेर्ते-कार्पियो ने कहा कि फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ गठबंधन करने का उनका निर्णय अन्य उम्मीदवारों की उम्मीदवारी को पटरी से उतारने के लिए नहीं था। उन्होंने एकता की बात करते हुए कहा, हमारा उद्देश्य न केवल राष्ट्रपति दुतेर्ते की पहल को आगे बढ़ाना है, बल्कि प्रशासन के कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ाना है। फिलीपींस के कानून के तहत राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव अलग-अलग होता है।

जर्मन राज्य बिना टीकाकरण वाले लोगों पर नए कोरोना प्रतिबंध लगाएगा

बर्लिन। जर्मनी में कोरोना संक्रमण दर अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गई है, इसलिए देश के 16 संघीय राज्यों में से कुछ ने इवेंट, रेस्तरां और बार में बिना बिना टीकाकरण वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, तथाकथित 2जी नियम लागू करने वाले राज्यों की सूची में देश की सबसे अधिक आबादी वाले नॉर्थ-राइन वेस्टफेलिया शामिल हैं। 2जी का मतलब है जिम्पफ्ट (टीकाकरण) और गेटेस्टेट (परीक्षण किया गया) है। जर्मनी के कार्निवल सीजन के दौरान कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए, जिसे पांचवें सीजन के रूप में भी जाना जाता है और यह 11 नवंबर को शुरू हुआ है। इसमें लोगों को अतिरिक्त रूप से नए नियम का पालन करना चाहिए, जिसके अनुसार टीकाकरण या व्यक्तियों को एक नया निगेटिव कोरोना परीक्षण भी दिखाना होगा। इनमें से अधिकांश उपायों से बच्चों और युवाओं को छूट दी गई है। नॉर्थ-राइन वेस्टफेलिया के मंत्री अध्यक्ष हेंड्रिक वूस्ट ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, कोरोनावायरस की स्थिति बदतर होती जा रही है, इस बात पर जोर देते हुए कि देश के पूर्व और दक्षिण विशेष रूप से कठिन दौर से गुजर रहे हैं। संक्रामक रोगों के लिए रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट (आरकेआई) ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर 100 से ज्यादा की बढ़ोतरी के बाद, जर्मनी में सात दिनों की घटना दर मंगलवार को प्रति 100,000 निवासियों पर 312.4 मामलों के नए उच्चतम स्तर पर रही।

शी-बाइडन बैठक मैत्रीपूर्ण है, लेकिन क्या विश्व शक्तियों के बीच कुछ बदलाव आएगा?

मेलबर्न। (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) अमेरिका और चीन के बीच शिखर वार्ता की कूटनीति चलती रहती है लेकिन जो बाइडन और शी चिनफिंग की ताजा वार्ता के मुकाबले दोनों नेताओ के बीच और अधिक परिणामी बैठक नहीं होगी। अगर कोई यह देखना चाहता है कि अमेरिका और चीन के बीच संबंधों में कितना बदलाव आया है तो उसे 1972 में रिचर्ड निक्सन और उस वक्त बीमार रहे माओ त्से तुंग के बीच चीनी क्रांति के बाद हुए पहले शिखर सम्मेलन को देखना होगा। किसी ने यह अनुमान नहीं लगाया होगा कि एक पीढ़ी में ही दोनों देशों के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा होगी। न ही उन्होंने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक रूप से चीन के इतना आगे बढ़ने का अंदाजा लगाया होगा।

अमेरिका-चीन शिखर वार्ताओं की रूपरेखा 1972 में निक्सन और चीन के तत्कालीन प्रधानमंत्री चाउ एनलाई के बीच शंघाई घोषणा पर हस्ताक्षर के साथ तय की गयी थी। इसमें ''एक-चीन' नीति स्वीकार की गई और ताइवान के मुद्दे को किनारे कर दिया गया। शी चिनफिंग के साथ ऑनलाइन बैठक में बाइडन ने अमेरिका की तरफ से ''एक चीन'' नीति स्वीकार करने की बात दोहराई लेकिन साथ ही वाशिंगटन के इस रुख को भी दोहराया कि ताइवान जलडमरूमध्य में यथास्थिति बलपूर्वक नहीं बदली जाए। अभी अमेरिका-चीन संबंधों को नए सिरे से तय करने के बारे में बात करना बहुत जल्दबाजी होगी लेकिन एक तर्कसंगत निष्कर्ष यह है कि ट्रंप के अस्तव्यस्त प्रशासन के बाद बाइडन और शी कम से कम संबंधों को पटरी पर ला पाए हैं। साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक पर दोनों पक्षों की टिप्पणियों से यह संकेत मिलता है कि काफी मुद्दों पर चर्चा की गयी।

दोनों देशों ने संवाद जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। व्हाइट हाउस की एक विज्ञप्ति के अनुसार, ''राष्ट्रपति बाइडन ने इस पर जोर दिया कि अमेरिका अपने हितों और मूल्यों के लिए खड़ा रहेगा और अपने सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगा कि 21वीं सदी के लिए आगे बढ़ने के नियम एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर आधारित हों जो स्वतंत्र, मुक्त और निष्पक्ष हो।'' ऑस्ट्रेलिया की नजर से कैनबरा और बीजिंग के बीच खराब संबंधों को देखते हुए ''सहयोगियों और साझेदारों'' के लिए समर्थन की यह अभिव्यक्ति स्वागत योग्य होगी। बाइडन ने संभावित टकरावों से बचने के लिए वृहद सहयोग का भी आह्वान किया। ''राष्ट्रपति बाइडन ने रणनीतिक जोखिमों के प्रबंधन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया कि प्रतिस्पर्धा संघर्ष में न बदले।'' चीन ने विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग के जरिए बयान दिया, जिसमें कहा गया है कि बैठक ''व्यापक, गहन, स्पष्ट, सार्थक, ठोस और रचनात्मक'' रही। चीन की सरकारी मीडिया ने शी के हवाले से बातचीत को ''नया युग'' बताया कि जिसमें ''परस्पर सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और दोनों के फायदे पर आधारित परस्पर सहयोग के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।'' बाइडन और शी के बयानों से और बातचीत के जरिए संबंधों में सुधार लाने की इच्छा का संकेत मिलता है।

बैठक शुरू होने से पहले बाइडन की टिप्पणियों से यह पता चलता है कि वह कम युद्धक संबंध स्थापित करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा, ''चीन और अमेरिका के नेता होने के नाते यह हमारी

जिम्मेदारी प्रतीत होती है कि हमारे देशों के बीच प्रतिस्पर्धा जान-बूझ कर या अनजाने में संघर्ष में न बदले बल्कि सामान्य स्पष्ट प्रतिस्पर्धा हो।'' शी ने बाइडन को ''पुराना मित्र'' बताया और ''श्रीमान राष्ट्रपति,आप के साथ मिलकर काम करने, आम सहमति बनाने, सक्रिय कदम उठाने और चीन-अमेरिका संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने'' की इच्छा जतायी। एक जटिल विश्व में, जिसमें अमेरिका और चीन दोनों घरेलू रूप से बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे है ऐसे में रिश्तों को उलझाना दोनों में से किसी के भी हित में नहीं है। हाल के सीओपी26 जलवायु शिखर सम्मेलन में अमेरिका और चीन के बीच जलवायु लक्ष्यों की ओर रचनात्मक रूप से काम करने के लिए समझौता एक तहत की भागीदारी का उदाहरण है जिसमें एक-दूसरे के हित साधे जा सकते हैं। दोनों देशों के बीच संबंधों में बदलाव के बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। अमेरिका और उसके मित्रों के लिए सबसे चिंताजनक बात चीन के लगातार सैन्य ढांचों का निर्माण करने का मुद्दा है। इसमें उसका परमाणु शस्त्रागार और अंतरिक्ष में जाने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइलों का विकास करना शामिल है जिससे हिंद-प्रशांत में अमेरिकी सेना के वर्चस्व को गंभीर खतरा पहुंचेगा।

पाकिस्तान में आतंकवादियों को 'फ्री पास' का आनंद मिलता है: भारत

तेल अवीव। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान की निंदा करते हुए कहा कि वहां आतंकवादियों को 'फ्री पास' का आनंद मिलता है और उनका समर्थन करने का देश का एक स्थापित इतिहास है, साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को सबसे बड़ी संख्या में पनाह देने का अपमानजनक रिकॉर्ड भी उसी के नाम है। 'फ्री पास' से तात्पर्य है कि आतंकवादियों को देश में आराम से घूमने-फिरने की स्वतंत्रता मिली है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की सलाहकार काजल भट ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा, '' मैं, आज पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा की गई कुछ तुच्छ टिप्पणियों का जवाब देने के लिए एक बार फिर मंच का इस्तेमाल करने को विवश हूं।'

उन्होंने कहा, '' ऐसा पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिए गए मंच का इस्तेमाल, मेरे देश के खिलाफ झूठा एवं दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने और दुनिया का ध्यान अपने देश की दुखद स्थिति से हटाने की कोशिश करने के लिए किया है, जहां आतंकवादी 'फ्री पास' का आनंद लेते हैं, जबकि आम लोगों, खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों के जीवन दूभर हैं।'' संयुक्त राष्ट्र में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि राजदूत आर रवींद्र इससे पहले ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा 'निवारक कूटनीति के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा कायम करने' के विषय पर आयोजित खुली चर्चा में देश का पक्ष रख चुके थे। संयुक्त राष्ट्र में खुली चर्चा के दौरान पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम के जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद भट ने एक बार फिर भारत की ओर से मंच को संबोधित किया। भट ने कहा, '' भारत, पाकिस्तान सहित सभी देशों के साथ सामान्य पड़ोसी वाला संबंध चाहता है और शिमला समझौते तथा लाहौर घोषणा के अनुसार बकाया मुद्दों, यदि कोई हो, तो उसे द्विपक्षीय तथा शांतिपूर्ण तरीके से निपटाया जाएगा।

कोई भी सार्थक बातचीत केवल आतंकवाद, शत्रुता तथा हिंसा से मुक्त वातावरण में ही हो सकती है। ऐसा अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। तब तक भारत, सीमा-पार आतंकवाद के जवाब में निर्णायक एवं दृढ़ कदम उठाता रहेगा।'' जम्मू-कश्मीर से नाता रखने वाली भट ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश इस बात से अवगत हैं कि पाकिस्तान के पास आतंकवादियों को पनाह देने, सहायता करने और सक्रिय रूप से समर्थन देने का ''स्थापित इतिहास तथा नीति'' है। उन्होंने कहा, '' यह एक ऐसा देश है जिसे विश्व स्तर पर आतंकवादियों का खुले तौर पर समर्थन करने, उन्हें प्रशिक्षण देने, वित्तपोषण तथा हथियार मुहैया कराने वाले के रूप में पहचाना जाता है।

अमेरिका के एक शीर्ष सांसद का बड़ा बयान, कहा- चीन भारत के साथ सीमा युद्ध कर रहा है

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने कहा है कि चीन भारत के साथ ''सीमा युद्ध'' कर रहा है, साथ ही वह अपने पड़ोसियों के लिए भी गंभीर खतरा पेश कर रहा है। रिपब्लिकन पार्टी से सांसद जॉन कॉर्निन ने भारत और दक्षिण पूर्व एशिया की अपनी यात्रा का ब्योरा साझा करते हुए अमेरिकी संसद के समक्ष यह बात कही। इस यात्रा का मकसद उस क्षेत्र के देशों के समक्ष चुनौतियों के बारे में सही मालुमात एकत्र करना था। सांसद जॉन कॉर्निन और उनके सहयोगी चीन द्वारा पेश की जा रही चुनौतियों के संबंध में प्रत्यक्ष जानकारी हासिल करने के लिए भारत और दक्षिण पूर्व एशिया की यात्रा पर गए थे और वे यात्रा पूरी करके हाल में लौटे हैं। कॉर्निन 'इंडिया कॉकस' के सह-अध्यक्ष भी हैं। कॉर्निन ने मंगलवार को सांसदों से कहा, ''सबसे अधिक और गंभीर खतरा उन देशों के लिए है, जो चीन की सीमा के निकट हैं।'

उन्होंने कहा, ''क्षेत्र में खतरों और चुनौतियों के बारे में सही से समझने के लिए पिछले सप्ताह मुझे कांग्रेस के एक प्रतिनिधि दल की दक्षिणपूर्व एशिया की यात्रा की अगुवाई करने का मौका मिला। चीन अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता को खतरा पैदा कर रहा है, साथ ही अपने लोगों के मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन का दोषी है, खासतौर पर अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय उइगर का।

अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों की मंत्रिस्तरीय बैठक में तालिबान को आमंत्रित करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा है कि इस्लामाबाद अफगानिस्तान के पड़ोसियों की आगामी तीसरी मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल होने के लिए अफगान तालिबान को आमंत्रित करेगा। कुरैशी ने कहा, अफगानिस्तान के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखने के लिए देश के नए तैयार तंत्र के हिस्से के रूप में, अफगानिस्तान के पड़ोसियों की अगली बैठक में अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार को भी आमंत्रित किया जाएगा। अफगानिस्तान के पड़ोसियों की मंत्रिस्तरीय बैठक में चीन, ईरान, पाकिस्तान ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और रूस शामिल हैं।

अफगानिस्तान को शामिल करना इस्लामाबाद की सक्रिय परामर्श की रणनीति का हिस्सा है और इसका उद्देश्य एक ऐसी योजना तैयार करने की दिशा में काम करना है, जो एक सर्व-समावेशी सेटअप सुनिश्चित करे, जो वैश्विक समुदाय द्वारा स्वीकार्य हो और अफगानिस्तान में अफगान सरकार के लिए वैश्विक मान्यता को आकर्षित करे। यह पहली बार है, जब अफगान तालिबान की अंतरिम सरकार को बैठक में आमंत्रित किया जाएगा। पिछली दो बैठकें, 8 सितंबर को इस्लामाबाद में हुई बैठक और 27 अक्टूबर को ईरान द्वारा आयोजित दूसरी बैठक में अफगान तालिबान को निमंत्रण नहीं दिया गया था, क्योंकि अंतरिम अफगान तालिबान सेटअप में वैश्विक मान्यता का अभाव था।

ताइवान को लेकर चीन की अमेरिका को दो टूक, कहा- जो भी आग से खेलेगा, जल जाएगा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों के राष्ट्रपति की मुलाकात हुई। ये मुलाकात आमने-सामने प्रत्यक्ष नहीं लेकिन बल्कि वर्चुअली। वाशिंगटन में उस वक्त शाम के करीब आठ बज रहे थे, जबकि बीजिंग में मंगलवार के सुबह का मौका था। दोनों ने एक दूसरे को देखकर हाथ मिलाकर अभिवादन किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुखातिब होते हुए कहा कि हमने बहुत समय एक दूसरे से बात करते हुए बिताया है। मेरी आशा है कि आज शाम भी हम बेबाक बातचीत कर पाएंगे। शी ने जवाब में दोस्ताना सुर में कहा कि ये सामने बैठकर बात करने जैसा तो नहीं है लेकिन मुझे अपने पुराने दोस्त से मिलकर बहुत खुशी हुई है। दोनों देशों के

राष्ट्रध्यक्षों के बीच मीठी-मीठी बातचीत की ये तो बस एक झलक मात्र थी। ऐसी बहस जिससे दोनों देशों के बीच का गतिरोध टूटा हो ऐसा बिल्कुल भी नहीं कहा जा सकता है। बाइडेन ने जहां चीन को मानवाधिकार के मुद्दे पर घेरा तो वहीं ताइवान के मुद्दे पर तो जिनपिंग ने सीधे-सीधे चेतावनी दे डाली।

कोई भी आग से खेलेगा जल जाएगा

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कड़ा रूख अपनाते हुए कहा कि चीन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की निश्चित रूप से रक्षा करेगा। इसके साथ ही ताइवान को लेकर चेतावनी भरे लहजे में कहा कि कोई भी आग से खेलेगा वह जल जाएगा। जिनपिंग ने कहा कि चीन का उदय रोका नहीं जा सकता।

कोविड 19 की शुरुआत की वजह पर पारदर्शी होना चाहिए

बाइडेन ने उत्तर पश्चिमी चीन में उइगर समुदाय के लोगों के मानवाधिकार के हनन, हांगकांग में लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को कुचलने, स्वन् शासित ताइवान के खिलाफ सैन्य आक्रमकता सहित कई मुद्दों पर चीन की आलोचना करते रहे हैं। बाइडेन ने कहा कि ताइवान में शांति और स्थायित्व कमजोर करने की कोशिश न हो। चीन को कोविड 19 की शुरुआत की वजह पर पारदर्शी होना चाहिए।

भारत और फ्रांस के एक सुर, कहा-अफगानिस्तान की जमीन को आतंकवाद का स्रोत नहीं बनना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और फ्रांस ने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है कि अफगानिस्तान की जमीन को आतंकवाद का स्रोत नहीं बनना चाहिए और साथ ही उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन समेत सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान के अनुसार, पेरिस में आतंकवाद से मुकाबला करने के विषय पर भारत-फ्रांस संयुक्त कार्य समूह की बैठक में दोनों पक्षों ने सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों सहित आतंकवाद के सभी स्वरूपों की निंदा की और इस बुराई के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता का संकल्प व्यक्त किया।

दोनों देशों ने 'आतंक के लिये कोई धन नहीं' विषय पर भारत की ओर से आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे संस्करण की तैयारियों के मद्देनजर सक्रिय समन्वय की इच्छा जतायी। मंगलवार को हुई बैठक में, उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक उपकरण के रूप में आतंकवादियों और ऐसे समूहों का बहिष्कार करने और आतंकी समूहों एवं व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंध की प्रक्रिया एवं प्राथमिकताओं के बारे में सूचना साझा करने के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों एवं क्षेत्रीय परिवेश में उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे के संबंध में अपना आकलन साझा किया।

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, '' दोनों देशों ने इस बात को रेखांकित किया कि यह सुनिश्चित किये जाने की जरूरत है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 2593 प्रस्ताव के अनुरूप अफगानिस्तान की जमीन क्षेत्रीय या वैश्विक (स्तर पर) आतंकवाद एवं कट्टरवाद का स्रोत नहीं बने तथा इसे फिर से किसी देश पर हमला करने या धमकाने अथवा आतंकवादियों को पनाह देने, भर्ती एवं प्रशिक्षित करने या आतंकवादी हमले की योजना और वित्त पोषण के लिये इस्तेमाल नहीं किया जा सके।'' बयान के अनुसार, भारत और फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकी समूहों एवं व्यक्तियों से उत्पन्न खतरों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया तथा अलकायदा और आईएसआईएस के साथ लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन सहित सभी आतंकवादी नेटवर्कों के खिलाफ 'ठोस कार्रवाई' करने की जरूरत बतायी। दोनों पक्षों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि आतंकवादी हमलों को अंजाम देने वालों को सुनियोजित तरीके और तेजी से न्याय के कटघरे में खड़ा किया जाए। यह बैठक ऐसे समय मे हुई है जब 13 वर्ष पहले 2008 में नवंबर में ही मुम्बई में आतंकवादी हमला हुआ था तथा 2015 में नवंबर माह में ही पेरिस मेंहमला हुआ था।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में भारत और फ्रांस ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों की एक स्वर में निंदा की। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सभी देशो को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि

उनके क्षेत्र का आतंकवादी हमले की योजना बनाने या आतंकवादी हमले के लिये इस्तेमाल नहीं किया जाए। दोनों देशों ने इस बात को भी रेखांकित किया कि सभी देशों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके नियंत्रण वाले क्षेत्र का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ आतंकवादी हमला करने, आतंकवादियों को प्रशिक्षण या पनाह देने के लिये नहीं किया जाए। दोनों देशों ने आतंकवाद से मुकाबला के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग तथा वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) के बारे में भी चर्चा की।

अमेरिका को पछाड़ चीन बना दुनिया का सबसे अमीर देश, दो दशकों में बढ़ाई इतनी संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया में हमेशा से अपना परचम लहराने वाला अमेरिका इस मामले में चीन से पिछड़ गया है। जी हां, आपको बता दें कि, इस बार चीन ने अमेरिका को पछाड़कर दुनिया का सबसे अमीर देश बनने का मुकाम हासिल कर लिया है। सलाहकार मैकिन्से एंड कंपनी की शोध शाखा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो दशकों में चीन की वैश्विक संपत्ति तीन गुना हो गई है जिसके कारण चीन ने दुनिया में सबसे अमीर देश बनकर अमेरिका को भी पीछे कर दिया है। जानकारी के लिए बता दें कि, विश्व आय के 60 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करने वाले 10 देशों की राष्ट्रीय बैलेंस शीट की जांच के बाद यह रिपोर्ट तैयार की गई है। ब्लूमबर्ग टीवी के साथ एक साक्षात्कार में, ज्यूरिख में मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट के एक पार्टनर जान मिशके ने कहा कि, हम अब पहले से कहीं ज्यादा अमीर हैं।' मैकिन्से एंड कंपनी द्वारा किए गए शोध के अनुसार, 2000 में 156 ट्रिलियन डॉलर से 2020 में दुनिया भर में शुद्ध संपत्ति बढ़कर 514 ट्रिलियन डॉलर हो गई। इस समय चीन दुनिया भर में सूची में सबसे ऊपर उभरा है। इसके अलावा चीन की इन संपत्तियों में हिस्सेदारी एक-तिहाई है।रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020 में चीन की संपत्ति बढ़कर 120 ट्रिलियन डॉलर हो गई, जो 2000 में सिर्फ 7 ट्रिलियन डॉलर थी।चीन ने 20 सालों में 113 ट्रिलियन डॉलर की छलांग लगाई है जिससे राष्ट्र को निवल मूल्य के मामले में अमेरिका से आगे निकल गया।

अमेरिका के नीचे आने का क्या है कारण: अमेरिका की संपत्ति में भी काफी इजाफा हुआ है। बता दें कि, बीते 20 सालों में अमेरिकी की संपत्ति दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई है। साल 2000 में अमेरिका की संपत्ति 90 खरब डॉलर थी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रॉपर्टी के दामों में वृद्धि चीन के मुकाबले बहुत कम रही है।

सुविचार समय परिवर्तन का धन है। परंतु घड़ी उसे केवल परिवर्तन के रूप में दिखाती है, धन के रूप में नहीं। - रवींद्रनाथ ठाकुर

संपादकीय

सड़क क्रांति का अहम पड़ाव

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का निर्माण देश में सड़क क्रांति के लिहाज से एक अहम पड़ाव है। वायु सेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान का इस पर उतरना इसकी तस्दीक करता है। ऐसे में, यह मुनासिब था कि लगभग 340 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण से जुड़े सभी पक्षों का देश धन्यवाद करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भावना को अभिव्यक्ति दी कि जिन किसानों की भूमि इसमें लगी है, जिन मजदूरों और इंजीनियरों के अमूल्य श्रम से यह मार्ग साकार हुआ है, वे सभी अभिनंदन के पात्र हैं। जाहिर है, तरक्की की हर मंजिल साझा कदमों से ही तय होती है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का बनना इस अपेक्षाकृत पिछड़े इलाके के लोगों के लिए एक बड़े सपने के सच होने जैसा है। इससे उनके आवागमन की मुश्किलें तो कम होंगी ही बाराबंकी, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, अमेठी, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर जिलों की औद्योगिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी। मानव समाज और नगर सभ्यताओं के विकास को आंकने की जो कसौटियां हैं, उनमें सड़कों का जाल सबसे अहम रहा है। और आज विशाल आबादी की अपेक्षाओं व जरूरतों को पूरा करने की तो यह बुनियादी शर्त है। इस मामले में देश दशकों तक तेज प्रगति नहीं कर पाया, क्योंकि अर्थव्यवस्था की कुछ सीमाएं थीं और अलग-अलग सरकारों की प्राथमिकताएं भी अलग थीं। लेकिन आर्थिक उदारीकरण के बाद अर्थव्यवस्था के विस्तार और इसकी आधारभूत आवश्यकताओं ने सरकारों को इस विषय में अधिक सक्रिय भूमिका अपनाने को बाध्य किया। खासकर अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय शुरू स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत देश के चार बड़े महानगरों-दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को सड़क मार्ग से जोड़ने का जो काम शुरू हुआ था, वह 2012 में मनमोहन सिंह सरकार के समय पूरा हुआ। इसी तरह, सन् 2000 में शुरू प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से देश के गांवों का कितना विकास हुआ है, यह बताने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। लेकिन यह भी कटु सत्य है कि कई प्रदेश सरकारें ग्रामीण सड़कों के रखरखाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही हैं। बहरहाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यमुना एक्सप्रेस-वे, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे और अब पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निर्माण ने यह आश्वस्ति दी है कि देश में विकास का पहिया थमने वाला नहीं है। साढ़े तीन वर्ष के भीतर लगभग 22,500 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह एक्सप्रेस-वे अन्य राज्य सरकारों के लिए भी एक उदाहरण है कि समयबद्ध निर्माण की क्या अहमियत है। यह एक नई कार्य-संस्कृति है, जो महज शिलान्यासों के आडंबर व अधूरी योजनाओं में सार्वजनिक धन की बरबादी से दूर है। और यह एक राज्य या एक दल की सरकार तक महदूद नहीं, दिल्ली, छत्तीसगढ़ सरकारों ने भी ऐसी मिसालें कायम की हैं। निस्संदेह, इस कार्य-संस्कृति और राजनीतिक चेतना को सहेजने की जरूरत है। बेहतर सड़कों का जाल रेलवे पर दबाव कम करने में कारगर साबित होगा ही और ऊर्जा खपत को कम करने में भी सहायक होगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मुहाने पर है और ऐसे समय में उद्घाटनों-शिलान्यासों की बाढ़ आ जाती है। पर विकास की राजनीति हो, जनता को यही तो चाहिए।

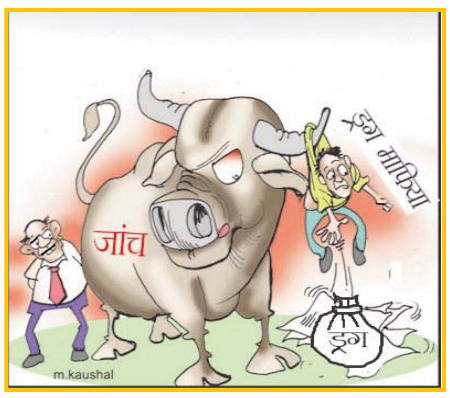

पुरुषार्थ

श्रीराम शर्मा आचार्य/ प्राचीन काल की ऋषि परम्परा के शिक्षण में ऐसी व्यवस्था रहती थी कि मनोभूमि को सबल, काया को समर्थ और सुदृढ़ बनाने के लिए वे सारे प्रयोग किए जाएं जो अभीष्ट उद्देश्य की पूर्ति में सहायक हों। गुरुकुलों में ऐसा ही शिक्षण चलता था। तप और तितिक्षा का कठोर अभ्यास शिक्षार्थी से कराया जाता था ताकि भावी जीवन में आने वाले किसी भी संकट-चुनौती का सामना करने में वह समर्थ हो सके। गुरुकुलों में प्रवेश लेने और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों को अनुकूलताओं में नहीं, प्रतिकूलताओं में जीना सिखाया जाता था। उस शिक्षण प्रक्रिया का परिणाम यह होता था कि विद्यालय से निकलने वाला छात्र हर दृष्टि से समर्थ और सक्षम होता था। जीवन में आने वाले अवरोध उन्हें विचलित नहीं कर पाते थे। परिस्थितियां बदली और साथ में वह शिक्षण पद्धति भी। मनुष्य के चिन्तन में भारी हेर-फेर आया। यह मान्यता बनती चली गई कि अनुकूलताओं में ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास सम्भव है। फलतः आरम्भ से ही बालकों को अभिभावक हर प्रकार की सुविधाएं देने का प्रयास करते हैं। उन्हें तप तितीक्षामय जीवन का अभ्यास नहीं कराया जाता। यही कारण है कि जब कभी भी प्रतिकूलताएं प्रस्तुत होती हैं ऐसे बालक उनका सामना करने में असमर्थ सिद्ध होते हैं। कुछ विद्यालय आज भी ऐसे हैं, जो जीवट को प्रखर बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हैं। उदाहरणार्थ जंगल एण्ड स्नो सरवाइल स्कूल इंडियन एयर फोर्स की ओर से भेजे गए चालकों को ऐसी ट्रेनिंग दी जाती है, जिससे वे हर तरह के संकटों का सामना करने में सक्षम हो सकें। एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित समाचार के अनुसार शिक्षण की प्रणाली अत्यन्त रोमांचक होती है। सामान्यतया विमान चालकों को हर तरह के क्षेत्र से होकर उड़ान भरनी होती है। हिमालय की ऊंचाई पर स्थित सघन वनों अथवा हिमाच्छादित प्रदेशों अथवा मरुस्थलों से होकर भी चालकों को गुजरना पड़ता है। यदि इन दुर्गम प्रदेशों में कोई दुर्घटना घटती है तो किन-किन हालातों का सामना करना पड़ सकता है; इसका शिक्षण एवं अभ्यास चालकों को कराया जाता है। इन स्थानों पर बिना किसी बाह्य सहायता के उसे किस तरह प्रतिकूलताओं से जूझते हुए बाहर निकलना चाहिये इसका प्रशिक्षण दिया जाता है।

एक्सप्रेस वे के औद्योगिक गलियारे

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

विगत साढ़े चार वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में ढांचागत व अन्य निर्माण के रिकार्ड कायम हुए हैं। इसमें एक्सप्रेस वे और कनेक्टिविटी भी शामिल है। औद्योगिक विकास के लिए इन सुविधाओं का विस्तार अपरिहार्य होता है। इसके साथ ही बिजली की उपलब्धता, कानून व्यवस्था की सुदृढ़ स्थिति, सिंगल विंडो की पारदर्शी व्यवस्था, भूमि बैंक की स्थापना आदि भी आवश्यक होते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्सप्रेस वे को औद्योगिक विकास और प्रगति से जोड़ दिया है। उन्होंने एक्सप्रेस वे निर्माण मात्र को ही पर्याप्त नहीं माना। इनकी वास्तविक उपयोगिता औद्योगिक विकास से ही हो सकती है। वर्तमान सरकार इसी मान्यता के आधार पर एक्सप्रेस वे का निर्माण करा रही है। योगी आदित्यनाथ एक्सप्रेस वे को उद्योग से जोड़कर चल रहे हैं। इससे इनके निकट के गांव, कस्बे और नगर सभी को लाभ होगा। योगी की योजना में एक्सप्रेस वे केवल प्रमुख महानगरों को जोड़ने की कवायद नहीं है। यह प्रदेश के औद्योगिक विकास को भी बढ़ाने में सहायक होंगे। इसके दृष्टिगत निर्माणाधीन एक्सप्रेस वे के समानांतर लैंड बैंक भी स्थापित हो रहे हैं। डिफेंस एक्सपो व इन्वेस्टर्स समिट में निवेश के समय से ही यह योजना आगे बढ़ रही है। इसके अलावा प्रत्येक पचास किमी पर यात्री सुविधा के लिए ढांचागत निर्माण किया जाएगा। एकबार फिर योगी आदित्यनाथ ने एक्सप्रेस वे के आसपास के क्षेत्रों को औद्योगिक विकास एवं व्यावसायिक उपयोग के रूप में पहले से ही चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही दुर्घटनाओं की न्यूनतम आशंका के लिए भी प्रारंभ से ही उपाय किए जाएंगे। पहले पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के लिए एक इंच भूमि का अधिग्रहण नहीं किया गया था। यह कार्य वर्तमान सरकार किया। यह पूर्व निर्धारित लागत से कम पर बन रहा है। पहले इसकी लागत ज्यादा आ रही थी। इसके अलावा जिला व तहसील संपर्क मार्गों को फोर लेन बनाने, हवाई यात्रा सुविधा बढ़ाने का उल्लेखनीय कार्य हुआ है। पहले दो हवाई अड्डे प्रयोग में थे। इनकी संख्या नौ हो गई है। ग्यारह हवाई अड्डों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जेवर में स्थापित किये जा रहे नोएडा अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की परियोजना विश्व की सौ सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं में शामिल है। मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण भी चल रहा है। पांच एक्सप्रेस वे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाई प्रदान करेंगे। सभी जनपदों में बिना भेदभाव के विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा प्रदेश में कई अन्य एक्सप्रेस वे, जिनमें बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस वे, गंगा एक्सप्रेस वे तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे शामिल हैं, इन पर कार्य चल रहा है। अब उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं है। प्रदेश में फिल्म सिटी का विकास पीपीपी मोड पर किया जा रहा है। यह उत्कृष्ट और अन्तरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगा। राज्य सरकार उत्तर प्रदेश को देश की नंबर वन इकोनॉमी बनाने के लिए कटिबद्ध है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था पहले छठवें स्थान पर थी आज दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरी है। निवेश का बेहतर वातावरण वर्तमान सरकार ने तैयार किया है। पहले उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में देश में चौदहवें स्थान पर था। आज सरकार की नीतियों से दूसरे स्थान पर आ गया है। पांच वर्ष पहले उत्तर प्रदेश का केन्द्र की किसी योजना में स्थान नहीं होता था। आज केन्द्र सरकार की पैंतालीस योजनाओं में प्रदेश प्रथम स्थान पर है। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्रदेश में दो करोड़ इकसठ लाख शौचालय बनवाये गये हैं। इसी तरह उज्ज्वला, सौभाग्य,उजाला,पीएम किसान सम्मान निधि में भी उत्तर प्रदेश ने बेहतर कार्य किया है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए लाभप्रद है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत बुंदेलखंड तथा विन्ध्य क्षेत्र में हर घर नल योजना प्रारंभ की गयी है। पहले सभी योजनाओं के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन दयनीय होता था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार वर्षों में उत्तर प्रदेश के ओवर ऑल परसेप्शन को बदल दिया है। प्रदेश सरकार ने पूर्ववर्ती व्यवस्था में रिफॉर्म करके, परफॉर्म करते हुए ट्रांसफॉर्म किया है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसी योजनाएं प्रदेश में लागू हुईं। जिससे किसानों को कृषि कार्य में काफी मदद मिली है। उत्तर प्रदेश में बीस नये कृषि विज्ञान केंद्रों की स्थापना की गयी है। प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना के अन्तर्गत दशकों से लंबित परियोजनाओं को पूरा किया गया है। ग्यारह लम्बित सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण कराया गया। जिनसे करीब सवा दो लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन हुआ है। तीन सौ इकतालीस किमी लंबे पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का लोकार्पण महत्वपूर्ण अवसर है। कुछ समय बाद दो सौ सत्तानबे किमी लंबा बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे का भी लोकार्पण होगा। पांच सौ चौरानवे किमी लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा। इक्यानवे किमी लंबे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे का काम जारी है। इसी प्रकार बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे भी बन रहा है। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया गया है। इसके अंतर्गत चौदह हजार किमी से अधिक सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया गया है। तीन लाख पचास हजार किमी सड़कों को गड्ढामुक्त किया गया है। एक सौ चौबीस लंबे ब्रिज,चौवन रेल फ्लाइओवर के काम पूरे हुए हैं। दस महानगर जिनमें नोएडा, लखनऊ, गाजियाबाद, कानपुर, आगरा, मेरठ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज एवं झांसी में मेट्रो रेल परियोजना पर काम चल रहा है। जाहिर है कि व्यापक प्रयासों से उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश में अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार का संकल्प लिया था। इसके अनुरूप प्रदेश में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे बनाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने ही पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का शिलान्यास किया था। संयोग यह है कि उन्हीं के द्वारा इसका लोकार्पण किया गया। एक्सप्रेस वे के दोनों किनारों पर औद्योगिक गलियारे बनाए जाएंगे। यहां विभिन्न प्रकार के उद्योग स्थापित होंगे। लाजिस्टिक सुविधा बेहतर होने से स्थानीय कारोबारियों, छोटे व्यापारियों आदि को भी लाभ होगा। पूर्वांचल के छोटे-छोटे जिलों से अब लखनऊ और दिल्ली की दूरी घट गई है। दस घंटे का सफर महज साढ़े तीन से चार घंटे में तय किया जा सकेगा। इस पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का लाभ बिहार के सीमावर्ती जिलों को भी सीधे मिल सकेगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वास्तविक मुद्दों से मुंह चुराती राजनीति

लक्ष्मीकांता चावला

हैरानी हुई पंजाब के मुख्यमंत्री चन्नी का यह वक्तव्य सुनकर कि उनके सामने पंजाब के केवल दो ही मुद्दे हैं- बेअदबी के दोषियों को दंड देना और नशों के जाल से पंजाब को मुक्त करना। जो सरकारें शराब को नशा नहीं मानतीं वे कभी भी नशामुक्त पंजाब या देश नहीं बना सकतीं। हाल ही में पंजाब के एक बेटे ने नशे के लिए पचास रुपये न देने पर बाप का कत्ल कर दिया। जहां तंबाकू पर रोक को दंड और जागरूकता अभियान चले, वहीं शराब को प्रोत्साहित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शराब को भी वैध और अवैध का नाम दे दिया। जिस प्रकार सरकारी भाषा में बड़े-बड़े होटलों में जुआ खेलना अपराध नहीं, पर गरीब का जुआ अपराध है, वैसी ही हालत नशों की भी है। जब कोई पुलिस कर्मचारी या अधिकारी चालीस लाख रुपये की रिश्वत लेकर नशा तस्करों को छोड़ देता है, अनेक केस ऐसे मिले, जिसमें पुलिस कर्मचारी नशा किसी की जेब में या दुकान में डालें या नशे में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम ऐंठना चल रहा हो, वहां नशामुक्त करने का सरकारी स्वप्न कैसे साकार हो सकता है। पहले सरकार सुनिश्चित करे कि कोई भी राजनेता नशा तस्करों का संरक्षक नहीं, हिस्सेदार नहीं। जब तक ऐसा नहीं हो जाता तब तक नशों पर नकेल डालने का लक्ष्य पूरा हो ही नहीं सकता। निस्संदेह, राजनेताओं के संरक्षण और पुलिस के कुछ बेईमान कर्मचारियों और अधिकारियों के सहयोग के बिना नशा नहीं बिक सकता। नि-संदेह ये दोनों ही मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, पर महंगाई, बेकारी, कानून व्यवस्था की बुरी हालत भी पंजाब की जनता की मुख्य कठिनाइयां हैं और पंजाब की जनता को डेंगू का डंक भी बुरी तरह सता रहा है, किंतु सरकार डेंगू पीड़ितों का दर्द नाममात्र भी नहीं समझती। प्रतिदिन रोगियों की संख्या के जो सरकारी आंकड़े दिए जा रहे हैं, वे भी पूरी तरह गलत हैं। क्या सरकार बता सकती है कि डेंगू के हजारों रोगियों के लिए उसने क्या किया। डेंगू के सभी रोगियों के लिए प्लेटलेट देने की व्यवस्था सरकारी अस्पतालों में करवाई गई? सरकारी अस्पतालों में डाक्टर और अन्य मेडिकल स्टाफ पूरा किया गया? जब जनता का दर्द ही सरकार को नहीं है तो फिर यह उनके लिए मुद्दा कैसे बन सकता है। राज्य सरकार के मंत्रियों को केवल एक चिंता है कि ऊंचे पदों पर अपने रिश्तेदारों को कैसे बैठाया जाये। क्या मुख्यमंत्री के समर्थन के बिना ऐसा हो सकता था। वैसे चार दिन की सत्ता की चांदनी कभी भी अमावस्या में बदल सकती है, इसलिए उन्होंने कल करे सो आज कर की नीति पर काम करते हुए अपने संबंधी तो प्रसन्न कर लिए। मुख्यमंत्री अमरेंद्र के त्यागपत्र और उसके बाद नई सरकार का गठन होने के साथ-साथ ही यह सिद्ध हुआ कि बहुत से विधायक और मंत्री जो अमरेंद्र की वफादारी का ढोल बजाते थे, मन से वे भी उसके विरोधी थे या नए साहब को प्रसन्न करने के लिए बदले-बदले नजर आए। विडंबना देखिए कि चुनाव निकट आते-आते ही राजनीति की मंडी में बोली लगती है और बड़े-बड़े राजनेता पाला बदल लेते हैं। पौने पांच साल जिनके दिल अपनी पार्टी के साथ थे, चुनावों की आहट के साथ ही दिल बदल गए, दल बदल गए। आप पार्टी के दो एमएलए तेजी से कांग्रेस में गए, कुछ कांग्रेसी अकाली दल में और कुछ अकाली कांग्रेस पार्टी के घाट पर पानी पीने के लिए तैयार हो गए। सच्चाई यह है कि जनता आज राजनीति और राजनेताओं से इसलिए विमुख हो रही है कि उनके समक्ष कोई आदर्श उदाहरण नहीं। सच यह भी है कि जो आदर्शों का पालन करते हैं, उनकी आवश्यकता न सरकारों को है, न राजनेताओं को।

सू-दोकू नवताल -1964

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

सू-दोकू -1963 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1964

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
3. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-3
6. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-3
7. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-4
9. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-3
11. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-3
13. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-2
15. कुमार गौरव, शत्रुघ्न की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-3
17. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-3,3
18. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित 1974 की एक फिल्म-3
19. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-2
20. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-3
22. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
24. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-2
25. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-4
26. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-4
27. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-2
28. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-3
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-3
4. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-4
5. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-3
8. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की 1992 की एक फिल्म-4
10. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-3
12. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-3
14. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-3
16. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-3
17. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-3,2
19. फिल्म 'बंदिनी' की नायिका कौन थी-3
21. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-2
22. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-4
23. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-4
26. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की 1986 की एक फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1963

प	र	दे	स		शा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	रा
	र		शि	व	रा	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
वे	रा	ग		वा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दी	इ			र	जा	मु	रा	द		क
	क	जं		ल		वी		जू	ही

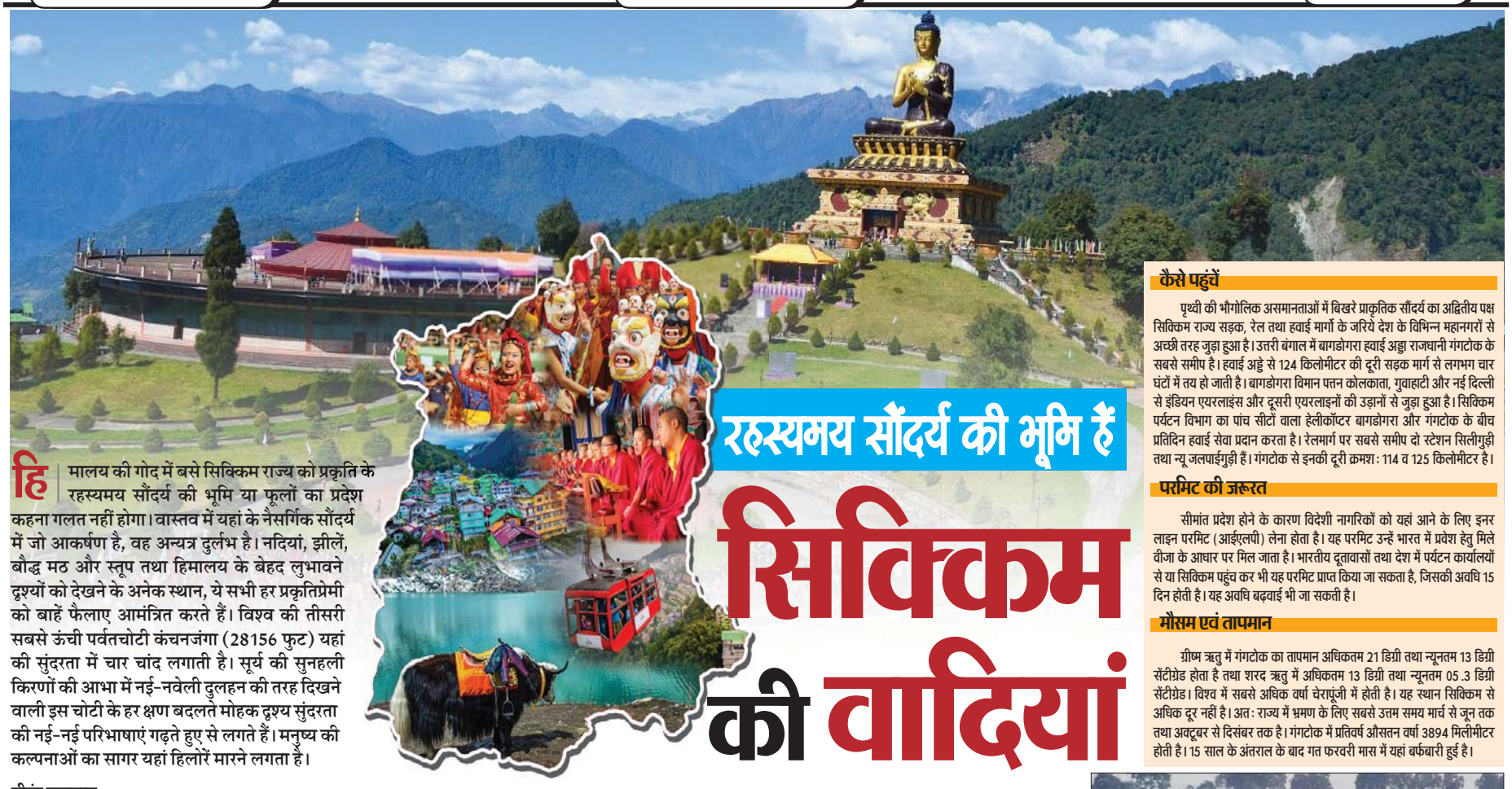

रहस्यमय सौंदर्य की भूमि हैं

सिक्किम की वादियां

हिमालय की गोद में बसे सिक्किम राज्य को प्रकृति के रहस्यमय सौंदर्य की भूमि या फूलों का प्रदेश कहना गलत नहीं होगा। वास्तव में यहां के नैसर्गिक सौंदर्य में जो आकर्षण है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। नदियां, झीलें, बौद्ध मठ और स्तूप तथा हिमालय के बेहद लुभावने दृश्यों को देखने के अनेक स्थान, ये सभी हर प्रकृतिप्रेमी को बाहें फैलाए आमंत्रित करते हैं। विश्व की तीसरी सबसे ऊंची पर्वतचोटी कंचनजंगा (28156 फुट) यहां की सुंदरता में चार चांद लगाती है। सूर्य की सुनहली किरणों की आभा में नई-नवेली दुलहन की तरह दिखने वाली इस चोटी के हर क्षण बदलते मोहक दृश्य सुंदरता की नई-नई परिभाषाएं गढ़ते हुए से लगते हैं। मनुष्य की कल्पनाओं का सागर यहां हिलोरें मारने लगता है।

कैसे पहुंचें

पृथ्वी की भौगोलिक असमानताओं में बिखरे प्राकृतिक सौंदर्य का अद्वितीय पक्ष सिक्किम राज्य सड़क, रेल तथा हवाई मार्गो के जरिये देश के विभिन्न महानगरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। उत्तरी बंगाल में बागडोगरा हवाई अड्डा राजधानी गंगटोक के सबसे समीप है। हवाई अड्डे से 124 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से लगभग चार घंटों में तय हो जाती है। बागडोगरा विमान पत्तन कोलकाता, गुवाहाटी और नई दिल्ली से इंडियन एयरलाइंस और दूसरी एयरलाइनों की उड़ानों से जुड़ा हुआ है। सिक्किम पर्यटन विभाग का पांच सीटों वाला हेलीकॉप्टर बागडोगरा और गंगटोक के बीच प्रतिदिन हवाई सेवा प्रदान करता है। रेलमार्ग पर सबसे समीप दो स्टेशन सिलीगुड़ी तथा न्यू जलपाईगुड़ी हैं। गंगटोक से इनकी दूरी क्रमशः 114 व 125 किलोमीटर है।

परमिट की जरूरत

सीमांत प्रदेश होने के कारण विदेशी नागरिकों को यहां आने के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना होता है। यह परमिट उन्हें भारत में प्रवेश हेतु मिले वीजा के आधार पर मिल जाता है। भारतीय दूतावासों तथा देश में पर्यटन कार्यालयों से या सिक्किम पहुंच कर भी यह परमिट प्राप्त किया जा सकता है, जिसकी अवधि 15 दिन होती है। यह अवधि बढ़वाई भी जा सकती है।

मौसम एवं तापमान

ग्रीष्म ऋतु में गंगटोक का तापमान अधिकतम 21 डिग्री तथा न्यूनतम 13 डिग्री सेंटीग्रेड होता है तथा शरद ऋतु में अधिकतम 13 डिग्री तथा न्यूनतम 05 .3 डिग्री सेंटीग्रेड। विश्व में सबसे अधिक वर्षा चेरापूंजी में होती है। यह स्थान सिक्किम से अधिक दूर नहीं है। अतः राज्य में भ्रमण के लिए सबसे उत्तम समय मार्च से जून तक तथा अक्टूबर से दिसंबर तक है। गंगटोक में प्रतिवर्ष औसतन वर्षा 3894 मिलीमीटर होती है। 15 साल के अंतराल के बाद गत फरवरी मास में यहां बर्फबारी हुई है।

जीवंत वातावरण

भारत के उत्तर-पूर्व और पूर्व में फैले इस राज्य का क्षेत्रफल 7096 वर्ग किलोमीटर है और जनसंख्या लगभग पांच लाख। चीन के अधीनस्थ तिब्बत से व्यापारिक संबंधों के समय व्यावसायिक महत्व का स्थान रहा गंगटोक आज के सिक्किम की राजधानी है। इस शहर की स्थापना 19वीं शताब्दी के मध्य में हुई थी। इससे पहले राज्य के पश्चिमी भाग में युकसम और इसके बाद राबडेंसे नामक स्थानों को सिक्किम की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों, हनीमून मनाने वाले जोड़ों तथा राज्य के सुदूर क्षेत्रों में ट्रेकिंग और साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की आवाजाही गंगटोक के वातावरण को हमेशा जीवंत बनाए रखती है।

पर्यटन की दृष्टि से सुविधापूर्वक सिक्किम दर्शन के लिए राज्य को चार भागों में बांटा जा सकता है। सबसे पहले पूर्व में गंगटोक तथा इसके आसपास कई दर्शनीय स्थल हैं। समुद्रतल से 5800 फुट की ऊंचाई पर स्थित गंगटोक का प्रारंभ से ही समुचित विकास होता आया है। यहां अच्छे से अच्छे रहने के स्थान, यातायात के साधन तथा संचार माध्यम उपलब्ध हैं। राज्य की पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा की वस्तुओं का केंद्र भी पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का स्थान है। यहां से केवल तीन किलोमीटर की दूरी पर 200 वर्ष पुराना महत्वपूर्ण बौद्ध मठ इंचे मॉनेस्ट्री है। ऐसा माना जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को लामा द्रुप्तोब कार्पो का आशीर्वाद मिलता है। लामा द्रुप्तोब यहां के लोकजीवन में

आस्था के एक गहरे प्रतीक के रूप में रचे-बसे हैं। हर साल जनवरी के आसपास यहां छाम नृत्य का उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। व्हाइट हॉल के पास पूरे वर्ष फूलों की प्रदर्शनी भी लगाई जाती है।

बौद्ध अध्ययन का केंद्र

गंगटोक में ही स्थित नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ टिबेटोलॉजी (एनआईटी) नाम का बौद्ध संस्थान दुर्लभ लेपचा, तिब्बती व संस्कृत पांडुलिपियों, मूर्तियों, थंका, कर्मकांड और पूजन विधि में प्रयोग आने वाले कपड़ों (टेपेस्ट्रीज) आदि दो सौ से अधिक बहुमूल्य वस्तुओं तथा कलाकृतियों का खजाना है। धार्मिक और ऐतिहासिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण यह संस्थान आज पूरे विश्व के लिए बौद्ध दर्शन तथा धर्म का अध्ययन केंद्र बना हुआ है।

छोग्याल पाल्डेन थोंडुप नामग्याल की स्मृति में यहां एक पार्क बना हुआ है। छोग्याल अर्थात राजा। नामग्याल वंश के 17वें तथा धार्मिक कार्यो के लिए पवित्रीकरण संस्कार प्राप्त 12वें राजा पाल्डेन थोंडुप की आर्थिक और सामाजिक सुधारों में शुरू से गहरी आस्था थी। राजा पाल्डेन आधुनिक शासन प्रणाली के समर्थक थे। इनके शासनकाल में ही सिक्किम में आधारभूत सुविधाओं की नींव रखी गई। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने स्कूल, सड़कें, चिकित्सालय आदि बनाने, पेयजल उपलब्ध कराने, यातायात हेतु सिक्किम राष्ट्रीयकृत ट्रांसपोर्ट, हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पॉवर स्कीम तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अन्य योजनाएं चलाने के लिए भी लगातार सहायता दी। 1982 में इनका देहांत हुआ। अंत तक वह बौद्धिक सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पवित्र छांगू झील

छांगू लेक, जिसे स्थानीय लोग छो गो लेक कहते हैं, गंगटोक से 40 किलोमीटर दूर है। समुद्रतल से 3780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह अंडाकार झील एक किलोमीटर लंबी और 15 मीटर गहरी है। स्थानीय लोगों की मान्यताओं के अनुसार यह एक पवित्र स्थान है। शीतकाल में यह जमी रहती है। मई से अगस्त के बीच इसके चारों ओर फैली पर्वतश्रृंखला व घाटियों में विभिन्न प्रकार के फूल खिले होते हैं। यहां खिलने वाले फूलों में रोडोडेंड्रोन, कई प्रकार के प्रिमुला, नीले और पीले पॉपीज, आइरिस आदि प्रमुख हैं। लाल पांडा तथा कई प्रजातियों के पक्षियों का यह पसंदीदा स्थान है। इसी दिशा में गंगटोक से 56 किलोमीटर दूर समुद्रतल से 14200 फुट की ऊंचाई पर स्थित नाथू ला है। ला अर्थात पास या एक पहाड़ को लांघकर दूसरी ओर जाने का रास्ता। नाथू ला भारत-चीन (तिब्बत का पठार) सीमा पर स्थित है। यहां जाने के लिए पंजीकृत ट्रेवल एजेंसी के माध्यम से सिक्किम पर्यटन विभाग से परमिट लेनी पड़ती है। नाथू ला की ओर जाने की परमिट केवल भारतीय नागरिक ही पा सकते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियां और पेड़-पौधे देखने के शौकीन लोगों के लिए इसी क्षेत्र में स्थित सरमसा गार्डन और जवाहरलाल नेहरू बोटेनिकल गार्डन दर्शनीय हैं। जबकि वन्य जीवन में रुचि लेने वालों के लिए हिमालयन जूलोजिकल पार्क तथा फेम्बोंग लो वाइल्ड लाइफ सैंक्चुअरी दिलचस्प जगहें हो सकती हैं। इनके अलावा दो द्रुल छोरटेन, रुमटेक धर्म चक्र केंद्र, पाल जुरमांग कागयुद मॉनेस्ट्री, वाटर गार्डन, बाबा हरभजन सिंह मेमोरियल, ताशी व्यू प्वाइंट, गोन्जांग मॉनेस्ट्री, गणेश टोंक, हनुमान टोंक, नोर छो सुक तथा अरितार यहां के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

जहां मिट जाते हैं पाप

पश्चिमी सिक्किम में पेमायांगसे मॉनेस्ट्री सबसे प्राचीन बौद्ध मठों में से एक है। राज्य की पहली राजधानी युकसम यहीं है। तीन विद्वान लामाओं द्वारा सन् 1641 में सिक्किम राज्य के प्रथम छोग्याल (राजा) का पवित्रीकरण संस्कार यहीं किया गया था। इसका प्रमाण नोरबूगांग छोरटेन में आज भी मौजूद है, जहां पत्थरों के सिंहासन और एक पत्थर पर मुख्य लामा के पैर की छाप देखी जा सकती है। वस्तुतः इस राज्य का इतिहास यहीं से शुरू होता है। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को अत्यंत पवित्र मानते हैं। जोंगरी-जेमाथांग तथा कंचनजंगा बेस कैंप के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम भी युकसम से ही शुरू होते हैं। युकसम के बाद कुछ ही दूरी पर स्थित राबडेंसे राज्य की दूसरी राजधानी बनी थी। यहां अब केवल खंडहर शेष हैं। सन् 1814 तक यहीं से राजा ने राज्य का संचालन किया। ताशीडिंग मॉनेस्ट्री हृदय के आकार की पहाड़ी पर बनाई गई है, जिसके पीछे पवित्र कंचनजंगा पर्वत है। बौद्ध धर्मग्रंथों के अनुसार 8वीं शताब्दी में गुरु पद्मसंभव, जिन्हें गुरु रिम्पूछे भी कहा जाता है, ने इस स्थान से ही सिक्किम की पवित्र भूमि को आशीर्वाद दिया था। ऐसा माना जाता है कि आज भी यहां आने वालों को गुरु रिम्पूछे का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेपचा समुदाय की बहुलता वाली इस घाटी में स्थित पवित्र गुरु इहेदू में गुरु रिम्पूछे के पैरों और हाथों के चिन्ह अभी भी सुरक्षित हैं। ताशीडिंग पवित्र छोरटेन (स्तूप) थोंग वा रांग डोल के लिए भी प्रसिद्ध है। इसका अर्थ है देखने भर से जीवनरक्षा करने वाला।

संधि भाईचारे की

उत्तरी सिक्किम में जेमू ग्लेशियर से निकलने वाली तीस्ता नदी राज्य का गौरव बढ़ाती है। व्हाइट वाटर राफ्टिंग और कयाकिंग आदि वाटर स्पोर्ट्स के शौकीन लोगों के लिए सिक्किम में यही आकर्षण का मुख्य केंद्र है। मई-जून में यहां साहसिक पर्यटन के शौकीन लोगों की खासी भीड़ जुटी होती है। भारत ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों से भी लोग यहां रोमांचक खेलों का मजा लेने तथा प्रकृति की सुंदरता को निहारने के लिए आते हैं।

अगर आप वन्य प्राणियों के जीवन में रुचि लेते हैं तो उत्तरी सिक्किम में ही स्थित कंचनजंगा नेशनल पार्क बहुत मुफीद जगह है। 850 वर्ग किलोमीटर में फैले इस वन्य जीव अभ्यारण्य को बायोस्फीयर रिजर्व के नाम से भी जानते हैं। यहां तमाम दुर्लभ प्रजातियों के कई जीव स्वच्छंद विचरण करते हैं। इसके क्षेत्र में कई ग्लेशियर भी हैं, जिनमें जेमू ग्लेशियर सबसे लंबा और नयनाभिराम है। चिड़ियों की यहां कुल 550 प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें ब्लड फेजेंट, सेटायर ट्रैगोपन, ऑस्प्रे, हिमालयन ग्रिफॉन, लैमर्जियर, बर्फीला कबूतर, इंपेयन फेजेंट, सन बर्ड्स और गरुड़ शामिल हैं।

विदेश में भी मौजूद हैं कई मंदिर जिन्हें देखकर आप भी कहेंगे वाह!

भारत को मंदिरों का देश भी कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि यहां देवी-देवताओं के कई हजार मंदिर हैं। प्राचीन से लेकर नए मंदिरों के कारण भारत दुनियाभर में आकर्षण का केंद्र है। वहीं, क्या आप जानते हैं कि भारत के अलावा भी अन्य देशों में हिन्दू देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता प्राप्त है। दुनियाभर में प्रसिद्ध इन मंदिरों के दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आया भी करते हैं। आज हम आपको उन्हीं मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारत के अलावा दूसरे देशों में मौजूद हैं, आइए जानते हैं...

मुन्नेस्वरम मंदिर, श्रीलंका

श्रीलंका के मुन्नेस्वर गांव में मुन्नेस्वरम नामक ये मंदिर काफी बड़ा है। इसके परिसर में कुल 5 मंदिर स्थित हैं। यहां मां काली और भगवान शिव का भी मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि जब श्रीराम ने राम का वध किया था तब वो यहां शिव जी की पूजा करने के लिए आए थे। ये ही कारण है कि इस मंदिर को धार्मिक तौर पर बेहद खास माना जाता है। यहां काफी लोग घूमने और शिव जी के दर्शन करने के लिए आते हैं।

अंकोरवाट मंदिर, कंबोडिया

कंबोडिया में स्थित अंकोरवाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। हिन्दू मंदिरों में ये दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। 12वीं सदी में इसका निर्माण कम्बुज के राजा सूर्यवर्मा ने करवाया था। इस मंदिर के चारों तरफ एक गहरी खाई है, जिसकी चौड़ाई 650 फुट और लंबाई ढाई मील है, जो इस मंदिर को खास बनाता है। इस मंदिर में हर वर्ष लाखों की संख्या में लोग आते हैं। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में से एक ये मंदिर है।

मुरूगन टेंपल, ऑस्ट्रेलिया

मुरूगन मंदिर ऑस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी में स्थित है। यहां पहड़ों के देवता कहलाए जाने वाले भगवान मुरूगन विराजमान है। इसलिए इस विशाल मंदिर को न्यू साउथ वेल्क के पहाड़ों पर बनवाया गया है। इस मंदिर और भगवान के प्रति यहां के हिन्दुओं की अपार आस्था है।

पशुपतिनाथ मंदिर, नेपाल

भारत से करीबी देश नेपाल की राजधानी काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर स्थित है। दुनिया के सबसे प्राचीन हिन्दू मंदिरों में से एक ये मंदिर है। यहां पशुपति के रूप में शिव जी की पूजा होती है। हर साल यहां काफी संख्या में लोग दर्शन करने आते हैं। यूनेस्को द्वारा इस मंदिर को विश्व विरासत स्थल का दर्जा मिला हुआ है।

प्रम्बानन मंदिर, इंडोनेशिया

इंडोनेशिया में कई हिन्दू मंदिर मौजूद हैं। इन्हीं में से एक प्रम्बानन मंदिर भी है। जिसका निर्माण नौवीं शताब्दी में किया गया था। ये मंदिर यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल माना जाता है। ये मंदिर केवल इंडोनेशिया का ही नहीं बल्कि पूरे साउथ एशिया का बहुत बड़ा मंदिर है।

सागर शिव मंदिर, मॉरीशस

बड़ी संख्या में हिन्दू रहने वाले द्वीपीय देश मॉरीशस में सागर शिव मंदिर को एक पवित्र धार्मिक स्थल माना जाता है। इसका निर्माण साल 2007 में हुआ था। भगवान शिव की 108 फीट ऊंची कांसे की प्रतिमा इस मंदिर को खास बनाती है। भगवान शिव के दर्शन के लिए यहां लाखों की संख्या में लोग आते हैं।

रामलिंगेश्वर मंदिर, मलेशिया

मलेशिया की राजधानी क्वालालमपूर में रामलिंगेश्वर मंदिर स्थित है। साल 2012 में मलेशिया सरकार द्वारा इस मंदिर को ट्रस्ट के हवाले कर दिया गया। जिसके बाद से अब इस ट्रस्ट द्वारा ही मंदिर का प्रबंधन किया जाता है।

कटास राज मंदिर, पाकिस्तान

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के चकवाल जिले में कटास राज मंदिर स्थित है। ये एक प्राचीन भगवान शिव मंदिर है। छठी से नौवीं शताब्दी के बीच इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था। कहा जाता है कि ये मंदिर महाभारत काल से था। इससे संबंधित पांडवों की कई कहानियां प्रसिद्ध हैं।

सेबी ने निवेशकों के लिए जारी किया चार्टर

नयी दिल्ली, बाजार नियामक सेबी ने प्रतिभूति बाजार में निवेश करने वालों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बुधवार को निवेशक चार्टर जारी किया। इस चार्टर में निवेशकों के अधिकारों एवं दायित्वों का ब्योरा होने के साथ ही उन्हें प्रतिभूति बाजार में बरती जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराने की कोशिश की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की एक सार्वजनिक सूचना के मुताबिक इस चार्टर को तैयार करने का मकसद निवेशकों के हितों को सुरक्षित करना और उन्हें निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुरक्षित बाजार में निवेश में मदद पहुंचाना है। चार्टर में निवेशकों को निष्पक्ष एवं समान व्यवहार, समयबद्ध ढंग से शिकायतों का निपटारा किए जाने, सेबी से मान्यता-प्राप्त बाजार ढांचागत संस्थानों एवं मध्यवर्तियों से गुणवत्तापूर्ण सेवाएं हासिल करने का हकदार बताया गया है। इसके साथ ही सेबी ने निवेशकों के लिए कुछ जिम्मेदारियां भी तय करते हुए उन्हें 'करने योग्य' एवं 'नहीं करने योग्य' में बांटा है। सेबी ने कहा कि निवेशकों की शिकायतों का समय पर निपटान उनके हितों को सुरक्षित करने के लिए बेहद जरूरी है। सेबी अपने पोर्टल स्कोर्स के जरिये ऑनलाइन शिकायतों का निपटान करता है।

रुपया 74.37 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया शुरुआती नुकसान से उबरते हुए नौ पैसे की तेजी के साथ ही 74.28 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.51 के स्तर पर कमजोर रुख के साथ खुला और फिर कारोबार के अंत में डॉलर के मुकाबले नौ पैसे की तेजी दिखाता हुआ 74.28 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं रुपया इससे पहले 74.37 रुपये प्रति डॉलर था। कारोबार के दौरान रुपया 74.25 से लेकर 74.51 रुपये के दायरे में रहा।

अक्टूबर में 45.2 प्रतिशत वृद्धि के साथ 31,241.09 करोड़ रुपए हुआ रत्न और आभूषण का निर्यात

नई दिल्ली । अमेरिका और अन्य प्रमुख बाजारों की मजबूत मांग से देश का रत्न और आभूषणों का निर्यात अक्टूबर में 45.2 प्रतिशत बढ़कर 31,241.09 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के मुताबिक अक्टूबर, 2020 में रत्न और आभूषणों का कुल निर्यात 21,515.97 करोड़ रुपए रहा था। जीजेईपीसी के चेयरमैन कोलिन शाह ने बताया कि रत्न और आभूषण उद्योग की कुल धारणा काफी सकारात्मक है। दिवाली से पहले की अवधि में विनिर्माण गतिविधियां चरम पर थीं। इसका पता अमेरिका सहित अन्य प्रमुख बाजारों की मजबूत मांग से चलता है। शाह ने कहा मेरा अनुमान है कि अब विनिर्माण गतिविधियों में गिरावट आएगी क्योंकि अधिकांश कंपनियां दिवाली के अवकाश के लिए बंद हैं। हालांकि, मुझे उम्मीद है कि वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में इसकी रफ्तार ठीक हो जाएगी और हम 2021-22 के लिए अपने 41.75 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। इस बीच, कटे और पॉलिश हीरों का कुल निर्यात अक्टूबर में 47.90 प्रतिशत बढ़कर 19,178.5 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जबकि 2020 के समान महीने में यह 12,966.89 करोड़ रुपये था। अक्टूबर में सोने के आभूषणों का कुल निर्यात 72.05 प्रतिशत बढ़कर 8,152.92 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 4,738।77 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह अप्रैल-अक्टूबर में चांदी के आभूषणों का निर्यात (अस्थायी) 25.98 प्रतिशत बढ़कर 11,331.52 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में 8,994.9 करोड़ रुपए था। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान प्लैटिनम के आभूषणों का कुल निर्यात 227.26 प्रतिशत बढ़कर 137.6 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 42.05 करोड़ रुपये था। इस दौरान रंगीन रत्नों का निर्यात 105.39 प्रतिशत बढ़कर 1,297.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

सेंसेक्स 314 अंक टूटा, निफ्टी 17,900 से नीचे बंद

नई दिल्ली :

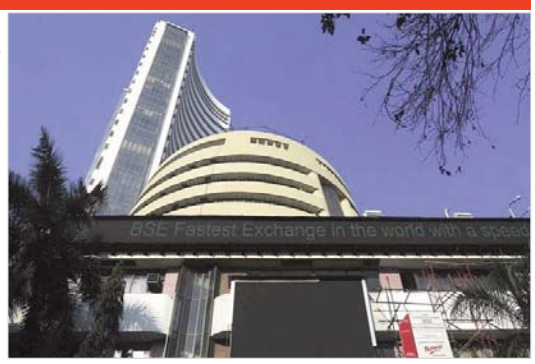

रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक में कमजोरी के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स बुधवार को 314 अंक टूट गया। इस दौरान 30 शेयरों वाला सूचकांक लगातार दूसरे दिन नुकसान दर्शाते हुए 314.04 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,008.33 पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी भी कारोबार के अंत में 100.55 अंक यानी 0.56 फीसदी टूटकर 17,898.65 पर आ गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो प्रतिशत की गिरावट एक्सिस बैंक में हुई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक बैंक, भारती एयरटेल, टाइटन, डॉ रेड्डीज और एमएंडएम भी लाल निशान में रहे। दूसरी ओर मारुति सुजूकी, एशियन पेंट्स, पावरग्रिड और एनटीपीसी मुनाफे में रहने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। अन्य एशियाई बाजारों में हांगकांग, तोक्यो और सोल के शेयर बाजार नुकसान के साथ बंद हुए, जबकि शंघाई में कारोबार बढ़त के साथ समाप्त हुआ। यूरोप के ज्यादातर शेयर बाजारों में मध्य सत्र के दौरान बढ़त थी। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.90 प्रतिशत गिरकर 81.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

टाटा हाउसिंग नोएडा परियोजना में 600 करोड़ रुपए निवेश करेगी

नई दिल्लीः रियल्टी कंपनी टाटा हाउसिंग नोएडा में अपनी आवासीय परियोजना के एक नए चरण के विकास पर लगभग 600 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। टाटा हाउसिंग के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टाटा वैल्यू होम्स ने नोएडा के सेक्टर 150 में अपनी परियोजना यूरेका पार्क के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। इस परियोजना के पहले चरण की तेज बिक्री हुई और 24 महीनों के भीतर ही 850 से अधिक फ्लैट बिक गए। इस मौके पर टाटा रियल्टी एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ संजय दत्त ने कहा, %%यह परियोजना उत्तर क्षेत्र की सर्वाधिक आकर्षक आवासीय परियोजनाओं में एक है। यूरेका पार्क चरण-2 के साथ हम इस क्षेत्र में घर खरीदारों की मांगों को पूरा करने के लिए 3 बीएचके संवर्ग की लगभग 650 इकाइयां जोड़ेंगे।%%

TATA HOUSING

वेदांत समूह अपने कारोबार का करेगा पुनर्गठन, बनाई निदेशकों की समिति

नई दिल्ली :

अनिल अग्रवाल की अगुआई वाला वेदांत समूह पुनर्गठन पर विचार कर रहा है, जिसके तहत एल्युमिनियम, लोहा, स्टील और तेल एवं गैस कारोबारों के विघटन एवं उन्हें अलग-अलग इकाइयों के रूप में सूचीबद्ध करने पर विचार किया जा सकता है। समूह की अग्रणी कंपनी वेदांत लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने समूह की पुनर्गठन योजना की समीक्षा करने एवं विकल्प सुझाने के लिए निदेशकों की एक समिति गठित की है। वेदांत के मुताबिक, उसके निदेशक मंडल ने तय किया है कि विभिन्न कारोबारों को उनकी प्रकृति, मात्रा एवं संभावित अवसरों को ध्यान में रखते हुए कंपनी को कॉर्पोरेट संरचना की समग्र समीक्षा करनी चाहिए और सभी उपलब्ध विकल्पों पर गौर करना चाहिए। इसमें विलय, अधिग्रहण एवं रणनीतिक भागीदारी जैसे साधन भी शामिल हैं। समूह की कारोबारी संरचना के विस्तृत मूल्यांकन के बाद एल्युमिनियम, लौह एवं स्टील और तेल एवं गैस कारोबारों के लिए एक-एक अलग सूचीबद्ध कंपनी बनाने की दिशा में कदम उठाया जा सकता है। वेदांत के निदेशक मंडल ने पुनर्गठन की यह प्रक्रिया कॉरपोरेट संरचना को दुरूस्त करने, सभी हितधारकों के हित में और नया कारोबार जुटाने की मंशा से यह निर्णय किया है। इसके लिए बोर्ड ने निदेशकों की मदद के लिए कई सलाहकारों को भी नियुक्त किया है।

क्रिप्टो माइनिंग प्रतिबंध की अवहेलना करने वाली कंपनियों के लिए बिजली की कीमतों में वृद्धि करने वाले अधिकारी

बिजनेस डेस्क :

चीन में चल रहे क्रिप्टो प्रतिबंध के बीच, अधिकारी देश में होने वाले किसी भी क्रिप्टो संचालन पर रोक लगाने के लिए विशिष्ट श्रेणियों की कंपनियों को अलग कर रहे हैं, और इस बार चीनी नियामकों ने अपनी, राज्य के स्वामित्व वाली संस्थाओं को लक्षित किया है। सरकार ने उद्यमों को क्रिप्टोक्यूरेंसी खनन छोड़ने की चेतावनी दी है और संभावित रूप से चीनी क्रिप्टो प्रतिबंध की अवज्ञा जारी रखने वाली कंपनियों पर बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है।

क्रिप्टो माइनिंग के खिलाफ एनडीआरसी अस्थिर तर्क

देश के मुख्य आर्थिक योजनाकार, राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग (एनडीआरसी) के प्रवक्ता मेंग वेई ने पुष्टि की कि आयोग जल्द ही औद्योगिक पैमाने पर बिटकॉइन खनन गतिविधियों को बंद करने की दिशा में काम करना शुरू कर देगा, जिसमें राज्य की कंपनियों को क्रैक-डाउन किया गया है, जिन्होंने इसमें भाग लिया है। वही।

मेंग वेई ने क्रिप्टो माइनिंग की अस्थिर प्रकृति पर जोर दिया, यह देखते हुए कि यह 'बहुत सारी ऊर्जा की खपत करता है' और 'बहुत सारे कार्बन उत्सर्जन का उत्पादन करता है।' अधिकारियों ने क्रिप्टो खनन को 'बेहद हानिकारक' अभ्यास के रूप में लगाया है, जो चीन की कार्बन न्यूट्रल महत्वाकांक्षाओं को खतरे में डालने की धमकी देता है। इसके अलावा, पिछले हफ्ते, एनडीआरसी ने प्रांतों और नगर पालिकाओं द्वारा क्रिप्टो प्रतिबंध अवज्ञा के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक विशेष बैठक बुलाई, और आगे की जांच और क्रिप्टो खनन में शामिल राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों को बंद कर दिया। चीन के क्रिप्टो-विरोधी रुख को देखते हुए, यह आश्चर्यजनक नहीं था जब अधिकारियों ने क्रिप्टो खनन और व्यापार पर जानबूझकर 'प्रमुख जोखिम' पैदा करने का आरोप लगाया और उद्योग को 'अंधा और अव्यवस्थित' कहा।

चीनी क्रिप्टो खनन प्रतिबंध इतिहास

चीन में क्रिप्टो व्यवसायों पर कड़े प्रतिबंध के बावजूद, देश में बिटकॉइन ट्रेडों को रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब देखना जारी है। पिछले महीने, बीजिंग के अधिकारियों ने देश के क्रिप्टो प्रतिबंध के बारे में नए दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें नागरिकों के आईपी पते की अत्यधिक घुसपैठ ट्रैकिंग शामिल है ताकि यह जांचा जा सके कि वे क्रिप्टो खनन कर रहे थे या नहीं। उसके बाद, झेजियांग प्रांत के अधिकारियों ने भी कथित तौर पर सरकारी कर्मचारियों की जांच शुरू कर दी और क्रिप्टोकरेंसी को माइन करने के लिए सार्वजनिक स्थानों के उनके अवैध उपयोग की जांच की। सरकार ने तब एक आधिकारिक चेतावनी जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि आभासी मुद्राएं एक महत्वपूर्ण मात्रा में ऊर्जा की खपत करती हैं।

दिल्ली सरकार ने कौशल प्रशिक्षण के लिए ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार के प्रशिक्षण निदेशालय (यूटीसीएस) ने बुधवार को दिल्ली सरकार के अधिकारियों के अकादमिक प्रशिक्षण, ज्ञान वृद्धि और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देकर उनकी समझ बढ़ाने के लिए ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) दिल्ली सरकार और जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) के बीच अनुभवों, सर्वोत्तम प्रथाओं (बेस्ट प्रैक्टिस) और डिग्री कार्यक्रमों को पूरा करने के माध्यम से तकनीकी सहयोग को मजबूत करेगा। यह एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व साझेदारी है, जो ज्ञान के सृजन को बढ़ावा देगी, अधिकारियों के कौशल को उन्नत करेगी और सीखने का एक नया माहौल तैयार करेगी। एमओयू के बारे में बोलते हुए, एनसीटी, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव आईएएस अधिकारी विजय कुमार देव ने कहा कि दोनों संगठनों के लिए इस तरह की महत्वपूर्ण साझेदारी को शुरू करना एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने यह भी बताया कि ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने खुद को भारत में अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में स्थापित किया है और इसे कई अंतरराष्ट्रीय मान्यताएं प्रदान की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जेजीयू फैकल्टी एक महत्वपूर्ण पहलू है, क्योंकि यह दिल्ली सरकार के अधिकारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए शिक्षण और शिक्षण अध्यापन के उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बारे में विस्तार से बात करते हुए देव ने कहा, आज ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी भारत में नंबर एक निजी विश्वविद्यालय है और सीखने और सिखाने में उत्कृष्टता के लिए इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा है। हमारा प्रयास है कि इस साझेदारी के माध्यम से हमारे अधिकारी अपने कौशल को बढ़ाने और नई योग्यता प्राप्त करने में सक्षम होंगे जो कि भविष्य में उन्हें असाधारण लोक सेवक बनने में सक्षम बनाएगा। मैं इस साझेदारी को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तत्पर हूं। उन्होंने आगे कहा कि इसका उद्देश्य दिल्ली सरकार के अधिकारियों के शैक्षणिक प्रशिक्षण, ज्ञान वृद्धि और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए सहकारी संस्थागत संबंधों की रूपरेखा स्थापित करना है। सबसे कुशल तरीके से हमारे समाज की सेवा करने के लिए, दिल्ली सरकार के अधिकारियों के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण, ज्ञान वृद्धि और क्षमता निर्माण की प्रकृति रचनात्मक और लचीली होनी चाहिए। ओ. पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति, प्रोफेसर (डॉ.) राज कुमार ने कहा, जेजीयू एक नॉलेज इकोनॉमी (ज्ञान से परिपूर्ण अर्थव्यवस्था) बनाने में सबसे आगे है। 2009 में अपनी स्थापना के बाद से हमने सर्वोत्तम शिक्षण कार्यक्रम, भागीदारी, अनुसंधान और योग्यता प्रणाली स्थापित करने का प्रयास किया है। यह समझौता ज्ञापन हमारे लोक सेवकों की क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक कदम है, जो शासन और राजनीति में परिवर्तन निर्माता हैं। हमारे कार्यक्रम और पाठ्यक्रम वैश्विक मानकों पर आधारित हैं और यह विकास के लिए सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय शिक्षा उपलब्ध कराते हैं। हमारे अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर योग्य शिक्षक और शिक्षाशास्त्र अद्वितीय हैं और हम दिल्ली सरकार के साथ कार्यक्रम का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। डॉ. एस. बी. दीपक कुमार, निदेशक, (प्रशिक्षण निदेशालय, केंद्र शासित प्रदेश सिविल सेवा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, जो दिल्ली सरकार के कौशल प्रशिक्षण, सीखने और विकास के प्रभारी भी हैं, ने कहा, इस समझौता ज्ञापन के तहत दिल्ली सरकार के अधिकारियों की क्षमता निर्माण में बिजनेस एनालिटिक्स में एमबीए की डिग्री में नामांकन, कोर्स पूरा करना और डिग्री प्रदान करना शामिल होगा। इसके साथ ही अधिकारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंध, सुरक्षा और रणनीति मामलों में एमए की डिग्री; सार्वजनिक नीति में एमए की डिग्री और सरकारी अधिकारियों को दूसरे पार्ट द्वारा ऑनलाइन मोड में पेश किए जाने वाले अन्य उपयुक्त मास्टर स्तर के पाठ्यक्रम शामिल हैं। जेजीयू के रजिस्ट्रार प्रो. डाबीरू श्रीधर पटनायक ने साझेदारी का स्वागत किया और कहा कि लोक प्रशासन, कानून, व्यवसाय, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, नीति, वित्त, संचार, भूगोल, भारतीय इतिहास और संस्कृति, राजनीति विज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और अन्य उभरते विषयों के साथ-साथ फैकल्टी मेंबर्स का आदान-प्रदान होगा, जिससे कौशल प्रशिक्षण में काफी फायदा मिलेगा।

नावीहेल्थ इंश्योरेंस ने गुजरात में 138 फीसदी की मासिक वृद्धि दर्ज की

बेंगलुरू - गुजरात में ग्राहकों ने पिछले दिसंबर में लॉन्च किए गए नावी के 100त्न डिजिटल, पेपरलेस ऐप-आधारित स्वास्थ्य बीमा का उत्साहपूर्वक अपनाया है। गुजरातके सभी 33जिलों में 577नेटवर्क अस्पतालों के व्यापक कवरेज केसाथअहमदाबादकेशेल्बीहॉस्पिटलसे लेकरं आनंदकेआनंदअस्पताल तक, नावी इंश्योरेंस के लिए गुजरातमहत्वपूर्ण बाजारों में उभरा है, जो मई के बाद से बेची गई कुल पॉलिसियों का लगभग 10त्न योगदान देता है। अहमदाबाद, वड़ोदरा और सूरतइन शहरो मे में नावी बीमा की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की हैं द्य राष्ट्रीय स्तर पर, नावी इंश्योरेंस के कारोबार में मई 2021 से हर महीने 165% की वृद्धि हुई है।

ग्राहक त्वरित और पूरी तरह से कागज रहित प्रक्रिया के माध्यम से नावी स्वास्थ्य बीमा खरीद सकते हैं, उन्हें तुरंत ऐप पर पॉलिसी जारी की जाती है। नावी की ईएमआई सुविधा ग्राहकों को अपने बीमा प्रीमियम का मासिक भुगतान करने की अनुमति देती है, जिससे यह कई और ग्राहकों के लिए अधिक किफायती हो जाता है। मासिक प्रीमियम कम से कम 241रुपये प्रतिमाह से शुरू होने की वजह सेनावीके 95% ग्राहक मासिक प्रीमियम का भुगतान करना चुनते हैं।

नावी व्यक्तियों और परिवारों के लिए 2 लाख से 1 करोड़ तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करता है। यह दावा प्रक्रिया के दौरान ग्राहकों की मदद करने के लिए एक समर्पित दावा संबंध प्रबंधक के साथ कैशलेस दावों की पेशकश करता है। अधिकांश कैशलेस दावों को20 मिनट के भीतर मंजूरी दे दी जाती है। नावी इंश्योरेंस का 97त्न का उद्योग-अग्रणी दावा निपटान अनुपात भी है।

नावी की स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की कुछ अनूठी विशेषताओं में शामिल हैं - मुफ्त और असीमित ऑनलाइन डॉक्टर परामर्श, सिंगल ऑक्यूपेंसी रूम के लिए कोई कमरा किराए की सीमा नहीं औरउनकी पॉलिसी अवधि के दौरान बीमित राशि की स्वचालित बहाली जो ग्राहकों को उनके कवर तक हर बार असीमित संख्या में दावे दर्ज करने की अनुमति देती है। नावी40 साल से कम उम्र के ग्राहकों के लिए दुर्घटना की स्थिति में बीमा राशि को दोगुना करने की भी पेशकश करता है। नावी के प्रवक्ता के मुताबिक, ' नावी हेल्थ इंश्योरेंस के लिए गुजरातसे मिली प्रतिक्रिया बेहद उत्साहजनक रही है। हमारा उद्देश्य व्यक्तियों और परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा को मौलिक रूप से सरल बनाना है। हम लगातार नई सुविधाओं को लागू करने और ग्राहकों को अपनी पेशकश में सुधार करने के लिए प्रौद्योगिकी और डेटा के साथ-साथ ग्राहकों की प्रतिक्रिया का सक्रिय रूप से लाभ उठाकर ऐसा करते हैं। "

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया अपना नया फंड ऑफर - 'एक्सिस मल्टीकैप फंड'

मुंबई - देश के सबसे तेजी से बढ़ते फंड हाउसों में से एक एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज अपना नया फंड ऑफर - 'एक्सिस मल्टीकैप फंड' लॉन्च करने की घोषणा की। अनेक खूबियों से युक्त यह फंड 26 नवंबर, 2021 को खुलने जा रहा है और 10 दिसंबर, 2021 को बंद होगा। यह एनएफओ निवेशकों को लार्ज, मिड और स्मॉलकैप शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करेगा, जिसमें प्रत्येक श्रेणी में न्यूनतम समान एक्सपोजर होगा। इस योजना का प्रबंधन श्री अनुपम तिवारी और श्री सचिन जैन, फंड मैनेजर, एक्सिस एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ('एक्सिस एएमसी') द्वारा किया जाएगा।

सेबी के नियमों के अनुसार, मल्टी-कैप फंडों को प्रत्येक मार्केट कैप के तहत न्यूनतम 25 प्रतिशत एक्सपोजर की आवश्यकता होती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि पोर्टफोलियो किसी विशेष मार्केट कैप की ओर केंद्रित नहीं है। अपने बड़े और विविध निवेश स्पेस के कारण, मल्टी-कैप फंड निवेशकों को विकास और जोखिम-समायोजित रिटर्न का दोहरा लाभ प्रदान करते हैं, जिससे वे दीर्घकालिक निवेश उद्देश्यों और धन सृजन के लिए आदर्श समाधान बन जाते हैं।

एक्सिस एएमसी का मल्टी-कैप दृष्टिकोण

भारतीय पूंजी बाजार मार्केट कैप स्पेक्ट्रम में निवेश के कई अवसर प्रदान करते हैं। पिछले 5 वर्षों में लार्ज और मिड कैप कट-ऑफ लगभग दोगुना हो गया है। जहां लार्ज कैप बाजार की कठिन परिस्थितियों में राहत प्रदान करते हैं, वहीं मिड और स्मॉल कैप अल्फा को चलाने में मदद करते हैं। एक्सिस मल्टीकैप फंड, जैसा कि इसके नाम से पता चलता है, सभी सेगमेंट में एक बेहतर और मिलाजुला पैकेज देता है और उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो बाजार पूंजीकरण में स्थिर और बुद्धिमानीपूर्ण आवंटन की तलाश में हैं। जो निवेशक कम से कम अस्थिरता के साथ लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं, और मध्यम जोखिम लेने वाले हैं, उन्हें मल्टी-कैप फंड में निवेश करने पर विचार करना चाहिए।

एक्सिस मल्टीकैप फंड बॉटम-अप स्टॉक सलैक्शन प्रोसेस का लाभ उठाएगा, जिसमें एक मौलिक दृष्टिकोण से प्रत्येक स्टॉक की एप्रिसिएशन की क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्रत्येक मार्केट कैप के भीतर सर्वश्रेष्ठ स्टॉक की पहचान करने पर जोर देते हुए आवंटन पूरा किया जाएगा। चूंकि विभिन्न मार्केट कैप विभिन्न चरणों में काम करते हैं, इसलिए मल्टी-कैप श्रेणी का लक्ष्य है-

ताज लेकफ्रंट भोपाल को सेंट्रल इंडिया में 'बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशन' अवार्ड के साथ सम्मानित किया गया

आईएचसीएल के ताज लेकफ्रंट भोपाल ने 16वें हॉस्पिटैलिटी इंडिया एनुअल इंटरनेशनल ट्रेवल अवार्ड में च सेंट्रल इंडिया के बेस्ट वेडिंग डेस्टिनेशनज का पुरस्कार जीता। 3862 वर्ग मीटर (41,570 वर्ग फुट) के बैंक्वेट क्षमता के साथ होटल सभी प्रकार की मीटिंग्स, कॉन्फ्रेन्सेस, इवेंट एवं वेडिंग जैसी जरूरतों को आसानी से पूरा करता है। यह अवार्ड न केवल ताज ब्रांड की विरासत की पुष्टि करता है बल्कि, सेंट्रल इंडिया में लक्जरी वेडिंग्स में अग्रणी रूप से ताज लेकफ्रंट भोपाल की उपस्थिति को भी दर्ज कराता है ।

यह अवार्ड समारोह नई दिल्ली में संपन्न हुआ और इसमें देश भर से बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित होटलों ने भाग लिया। अवार्ड पुरस्कार प्राप्त करने पर मिस कनिका हसरत, क्षेत्र निदेशक - उत्तर प्रदेश, एमपी और उत्तराखंड एवं जनरल मैनेजर - ताज लेकफ्रंट भोपाल ने कहा, "हम इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए हॉस्पिटैलिटी इंडिया के बेहद आभारी हैं। वास्तव में ताज लेकफ्रंट भोपाल इंडिया के दिल में एक खूबसूरत रत्न के समान है। 875 वर्ग मीटर (9418 वर्ग फुट) पिलर रहित राज महल बॉल रूम, खूबसूरत विंध्या लॉन, सतपुड़ा टेरेस एवं भव्य शीश महल सहित; होटल वास्तव में ड्रीम वेडिंग के लिए एक आदर्श एवं उत्कृष्ट स्थान है। एलिगेंट झूमर, सुन्दर लॉन, मंत्रमुग्ध कर देने वाले नज़ारे और ताज शेफ की पाक विरासत के साथ, हम ज्यादा से ज्यादा लोगों को खुशहाल पल प्रदान करने के लिए तत्पर रहते हैं।"

152 कमरों के साथ जोकि ऊपरी झील एवं वन विहार के सुन्दर नज़ारे प्रदान करते हैं, ताज लेकफ्रंट भोपाल राज्य के इतिहास, विरासत और प्राकृतिक सुंदरता का लुफ्त उठाने के लिए एक आदर्श स्थान है। इसके साथ ही यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सांची और भीमभेटका, भोजपुर के मंदिर, उदयगिरी की गुफाएं और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व सभी इसके नज़दीक में ही हैं। पारंपरिक भोपाली जरदोजी का काम, बाग के पैस्ले प्रिंट, टीकमगढ़ के टेराकोटा आर्ट और बेल मेटल शिल्प के साथ होटल के अंदरूनी भाग को सजाते हुए - होटल ने अपनी डिजाइन की प्रेरणा मध्य प्रदेश की स्थानीय कला और शिल्प से लेता है।

152 कमरों के साथ जोकि ऊपरी झील एवं वन विहार के सुन्दर नज़ारे प्रदान करते हैं, ताज लेकफ्रंट भोपाल रॉयल वेडिंग्स और स्पेशल मोमेंट्स के लिए एक आदर्श स्थान है जोकि विशेष रूप से सेंट्रल इंडिया में शादी के लिए एक लैण्डमार्क के रूप में स्थापित होता दिखता है 7 इसके अलावा होटल का टारगेट गुजरात और छत्तीसगढ़ को भी भारत के बीचो बीच 'ञ्ड्ड्र्द्गठ्ठद्गद्वह्य' का अनुभव प्रदान करना है। मध्य प्रदेश के स्थानीय शिल्प से डिजाइन की प्रेरणा लेते हुए, होटल का अंदरूनी भाग भोपाली जरदोजी के काम, बाग के पैस्ले प्रिंट, टेराकोटा आर्ट और टीकमगढ़ के बेल मेटल क्राफ्ट से मिश्रित हैं।

गूगल ने स्थानीय समाचारों का समर्थन करने के लिए नई सुविधाएं व टूल लॉन्च किए

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज गूगल ने स्थानीय समाचार संगठनों की सहायता के लिए डिजाइन किए गए पाठकों और पत्रकारों दोनों के लिए नए टूल और फीचर्स लॉन्च किए हैं।

द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, गूगल ने शुरुआत में कोविड खोजों के लिए स्थानीय जानकारी प्रदान करने की सुविधा शुरू की थी, लेकिन अब इसे खेल, स्थानीय सरकार और अन्य जैसे विषयों में विस्तारित किया गया है। गूगल ने कहा कि वह अपने सिस्टम को बदल रहा है ताकि आधिकारिक, प्रासंगिक स्थानीय समाचार स्रोत शीर्ष कहानियों और अन्य सामान्य समाचार सुविधाओं में राष्ट्रीय प्रकाशनों के बगल में अधिक बार दिखाई दें।

गूगल ने कहा, यह सुधार सुनिश्चित करता है कि जब लोग समाचार खोज रहे हों तो उन्हें आधिकारिक स्थानीय कहानियां दिखाई देंगी, जिससे ब्रांड और समाचार प्रकाशकों की सामग्री दोनों को अधिक लोगों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। यह हाई स्कूल फुटबॉल जैसे स्थानीय समाचारों से संबंधित संकीर्ण उप-विषयों में भी ड्रिल करने में सक्षम है। इसकी स्थान सेवाओं के साथ (बशर्ते आपने उन्हें सक्षम किया हो), आपको अधिक प्रासंगिक परिणाम प्राप्त करने चाहिए। गूगल ने कहा, उदाहरण के लिए, यदि आप डेट्रॉइट में हैं और फुटबॉल की खोज कर रहे हैं, तो अब हम आपको केवल पेशेवर टीम के लिए परिणाम दिखाने के बजाय स्थानीय हाई स्कूल और कॉलेज टीमों के परिणाम दिखाएंगे। यह आधिकारिक स्रोतों और लेखकों के साथ समाचार संगठनों के ट्वीट भी प्रदर्शित करेगा। नई उपभोक्ता सुविधाओं के साथ, गूगल ने संवाददाताओं के लिए नए डेटा टूल की घोषणा की है। सबसे पहले जनगणना मैपर परियोजना एक नक्शा है, जिसे राष्ट्रीय, राज्य और काउंटी स्तर पर जनगणना डेटा प्रदर्शित करने के लिए कहानियों में एम्बेड किया जा सकता है। इसे 2020 की जनगणना को-ऑप के हिस्से के रूप में तैयार किया गया था, जिसे गूगल समाचार पहल द्वारा समर्थित किया गया था।

यह स्थानीय स्तर पर जनगणना के आंकड़े दिखा सकता है, यह दर्शाता है कि समय के साथ आबादी कैसे बदली है। गूगल अपने सामान्य ज्ञान परियोजना में भी सुधार कर रहा है, जो एक दृश्य पत्रकारिता परियोजना है जो पत्रकारों को स्थानीय डेटा का पता लगाने की अनुमति देती है।

शर्मा और द्रविड़ का स्वभाव एक जैसा : गावस्कर

मुंबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और टी20 के नय कप्तान रोहित शर्मा के करियर की शुरुआत होने जा रही है। इस पर भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा का स्वभाव एक जैसा है। उन्हें यह भी लगता है कि उनके आपसी संबंध भी अच्छे रहेंगे, क्योंकि वे एक-दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं।न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की तीन मैचों की टी20 सीरीज जयपुर में बुधवार से शुरू हो रही है, जो शर्मा-द्रविड़ की पहली चुनौती होगी, क्योंकि विराट कोहली ने टी20 में कप्तानी छोड़ दी हैं और रवि शास्त्री का कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। गावस्कर ने कहा, अगर आप उन दोनों के स्वभाव को देखें तो आप काफी समानता पाएंगे। रोहित राहुल द्रविड़ की तरह ही शांत स्वभाव के हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि उनका संबंध काफी अच्छा होगा क्योंकि दोनों एक-दूसरे को अच्छी तरह समझेंगे। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा जो थोड़े समय के लिए टेस्ट क्रिकेट में द्रविड़ के साथी थे, गावस्कर के विचारों से सहमत हैं। साथ ही उन्हें लगता है कि टी20 विश्व कप के सुपर 12 से भारत के बाहर होने के बाद, शर्मा और द्रविड़ को सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारतीय टीम को फिर से पटरी पर लाना होगा।

वेस्टइंडीज दौरे और अंडर-19 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम की घोषणा की

स्पोर्ट्स डेस्क ।

क्रिकेट दक्षिण अफीका ने 17 नवंबर को आगामी आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की कर दी है। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप जनवरी-फरवरी 2022 में वेस्टइंडीज में खेला जाना है। बड़े टूर्नामेंट की अगुवाई में, प्रोटिया अंडर-19 टीम एक द्विपक्षीय सीरीज में मेजबान वेस्टइंडीज से भिड़ेगी जिसके लिए टीम का नाम भी रखा गया है। टीम का नेतृत्व जॉर्ज वैन हीर्डन करेंगे। मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने आगामी टूर्नामेंट के बारे में उत्साह व्यक्त किया और 'हमने जो दर्शन निर्धारित किया है' का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि वे (टीम) जॉर्ज वैन हीर्डन के नेतृत्व में अच्छा करेंगे। मैं चाहता हूं कि हम अपने पर विश्वास रखें। जिस तरह से हमने अभ्यास किया है, उसका पालन करने के लिए जिसे हमने निर्धारित किया है और उम्मीद है कि हम वेस्टइंडीज में दौरे और विश्व कप दोनों में प्रचलित परिस्थितियों के आधार पर अनुकूल प्रदर्शन कर सकते हैं। कॉनराड ने कहा कि विश्व कप नजदीक आने के बावजूद टीम का तत्काल ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीतने पर है।उन्होंने कहा, विश्व कप प्राथमिकता है, लेकिन हमारे पास वेस्टइंडीज के साथ एक सीरीज भी है जिसे हम जीतना चाहते हैं। लड़कों के लिए भी यह अच्छी तैयारी है। मैं चाहता हूं कि हमारे लड़के काम जारी रखें।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम –

जॉर्ज वैन हीरडेन (कप्तान), लियाम एल्डर, मैथ्यू बोस्ट, डेवाल्ड ब्रेविस, माइकल कोपलैंड, एथन कनिंघम, वेलेंटाइन किटाइम, क्रेना मफाका, गेरहार्ड मारी, एफीवे मन्यांडा, एंडिले सिमेलाने, जेड स्मिथ, कैडेन सोलोमन्स, जोशुआ स्टीफेंसन, असाखे तशाका

2022 आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम :

जॉर्ज वैन हीरडेन (कप्तान), लियाम एल्डर, मैथ्यू बोस्ट, डेवाल्ड ब्रेविस, माइकल कोपलैंड, एथन कनिंघम, वेलेंटाइन किटाइम, क्रेना मफक, गेरहार्ड मैरी, एफीवे मन्यांडा, एंडिले सिमेलाने, जेड स्मिथ, कैडेन सोलोमन्स, जोशुआ स्टीफेंसन, असाखे तशाका

रिजर्व : हार्डस कोएट्ज़र, रोनन हरमन, कालेब सेलेका

ब्राजील से गोलरहित ड्रा खेलकर अर्जेंटीना ने कटाया विश्व कप का टिकट

साओ पाउलो ।

अर्जेंटीना ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी ब्राजील के खिलाफ दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफाईंग का मैच गोलरहित ड्रा खेलकर अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित की। इससे लियोनेल मेस्सी को विश्व खिताब जीतने का पांचवां और संभवतः अंतिम मौका भी मिल गया है। मेस्सी अपने करियर अब तक यही बड़ी ट्राफी नहीं जीत पाए हैं। दूसरे स्थान पर काबिज अर्जेंटीना ने तीसरे स्थान की टीम इक्वेडर की चिली पर 2-0 से जीत के बाद कतर में होने वाले टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई किया। अर्जेंटीना के अब 29 अंक हैं और केवल चार क्वालीफायर बचे हुए हैं, ऐसे में मेस्सी की अगुवाई वाली टीम को दो से अधिक टीमें पीछे नहीं छोड़ सकती हैं। क्वालीफाईंग तालिका में शीर्ष पर चल रहा ब्राजील पहले ही विश्व कप में जगह बना चुका है। दक्षिण अमरीका से चार टीमों को विश्व कप में सीधे प्रवेश मिलता है जबकि पांचवें स्थान की टीम को अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में खेलना पड़ता है। ब्राजील के 35 अंक हैं जो अर्जेंटीना से छह अधिक हैं। इन दोनों टीमों ने 13 मैच खेल लिये हैं जो अन्य टीमों से एक कम हैं क्योंकि इन दोनों के बीच सितंबर में आयोजित मैच केवल सात मिनट बाद कोविड-19 प्रतिबंधों को लागू किये जाने के कारण स्थगित कर दिया था। विश्व फुटबॉल संस्था फीफा को अभी इस मैच पर निर्णय करना है। इक्वेडर 23 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। आखिरी स्थान की टीम वेनेजुएला के अलावा अन्य टीमों के पास क्वालीफाई करने का मौका है। कोलंबिया और पेरू के 17 अंक हैं जबकि चिली और उरूग्वे 16 अंक लेकर छठे और सातवें स्थान पर है। बोलिविया (15 अंक) और पराग्वे (13 अंक) भी अभी दौड़ में बने हुए हैं। बोलिविया ने एक अन्य मैच में उरूग्वे को 3-0 से और पेरू ने वेनेजुएला को 2-1 से पराजित किया जबकि कोलंबिया और पराग्वे का मैच गोलरहित ड्रा छूटा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के साथ विम्बलडन में भी नहीं खेलेंगे रोजर फेडरर

जिनेवा : स्विस मीडिया द्वारा बुधवार को छापे गए एक साक्षात्कार में महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने कहा कि उन्हें घुटने की सर्जरी के कारण अगले साल जून में विम्बलडन तक वापसी की उम्मीद नहीं है। फेडरर (40 वर्ष) ने कहा, 'सच्चाई यही है कि विम्बलडन में खेला तो यह बहुत ही हैरानी की बात होगी।' विम्बलडन 27 जून से शुरू होगा। फेडरर इस साल जुलाई में विम्बलडन के क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में हारने के बाद से टूर पर नहीं खेले हैं। कुछ हफ्तों के अंदर उन्होंने सर्जरी कराई, जो 18 महीने में घुटने की तीसरी सर्जरी थी। फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के नाम रिकार्ड 20 पुरूष ग्रैंडस्लैम का रिकार्ड है। फेडरर ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनके खेलने का कोई सवाल ही नहीं था जो जनवरी में सत्र का शुरूआती ग्रैंडस्लैम है। फेडरर ने कहा, 'इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है। हम आपरेशन से पहले ही जानते थे कि इस तरह की सर्जरी के लिए हमें महीनों लंबे ब्रेक की जरूरत होगी।'

स्तब्ध टेनिस स्टार ओसाका ने पूछा, कहां हैं पेंग शुआई ?

बीजिंग।

टेनिस स्टार नाओमी ओसाका ने कहा कि वह साथी खिलाड़ी पेंग शुआई के बारे में सुनकर स्तब्ध हैं जो चीन में एक पूर्व शीर्ष सरकारी अधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने के बाद गायब हैं। जापान की दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका ने बुधवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली और पूछा कि पेंग शुआई कहां हैं? पेंग शुआई कहां हैं? हैशटैग के साथ ओसाका ने ट्विटर पर लिखा कि मुझे नहीं पता कि आपकी नजरें खबरों पर हैं या नहीं लेकिन हाल में मुझे एक साथी खिलाड़ी के बारे सूचित किया गया जो अपने यौन उत्पीड़न का खुलासा करने के कुछ देर बाद गायब हो गई। आवाज को दबाना किसी भी कीमत पर सही नहीं है। सितंबर में अमेरिकी ओपन में खिताब की रक्षा के अभियान का अंत तीसरे दौर में हार के साथ होने के बाद से टूर स्तर की प्रतियोगिताओं में नहीं खेलने वाली 24 साल की ओसाका ने उम्मीद जताई कि पेंग और उनका परिवार 'सुरक्षित और ठीक' होगा। ओसाका ने लिखा कि मौजूदा स्थिति को लेकर मैं स्तब्ध हूं। मैं उसके लिए प्यार और आशा की किरण भेज रही हूं। दुनिया के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सहित अन्य शीर्ष खिलाड़ी और महिला तथा पुरुष पेशेवर टेनिस टूर के आयोजक डब्ल्यूटीए और एटीपी से दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन के आरोपों की विस्तृत जांच की मांग कर रहे हैं। पेंग ने इस महीने की शुरुआत में सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट में लिखा था कि एक पूर्व उप प्रधानमंत्री ने लगातार इनकार करने के बावजूद उन्हें यौन संबंध बनाने के लिए बाध्य किया। चीन के प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वेइबो में पेंग के पुष्ट अकाउंट से इस पोस्ट को हटा दिया गया है और चीन की पूरी तरह से सरकार द्वारा नियंत्रित मीडिया ने इस मुद्दे पर सभी तरह की खबरों को दबा दिया है। 35 साल की पेंग ने लिखा था कि पूर्व उप प्रधानमंत्री और सत्ताधारी कम्यूनिस्ट पार्टी के सदस्य झेंग गाओली ने तीन साल पहले टेनिस के दौर के बाद लगातार इनकार करने के बावजूद उन्हें यौन संबंध बनाने के लिए बाध्य किया। इस घटना के दौरान झेंग की पत्नी दरवाजे पर पहरा दे रही थी। पेंग ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा था कि सात साल पहले भी उन दोनों के बीच यौन संबंध बने थे।

संक्षिप्त समाचार

महिला पेशेवर गोल्फ के 12वें चरण में बक्शी बहनों का दबदबा, ज्हान्वी शीर्ष पर

हैदराबाद । महिला पेशेवर गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों में शामिल ज्हान्वी बक्शी ने बुधवार को यहां डब्ल्यूपीजीटी के 12वें चरण के पहले दौर में अपनी बहन हिताषी पर एक शॉट की बढ़त बना ली। इस साल के पहले चरण के अलावा ज्हान्वी ने पिछले सभी 10 चरण में शीर्ष पांच में जगह बनाई है और अब 12वें चरण में शीर्ष पर चल रही हैं। मौजूदा सत्र में अब तक दो बार चैंपियन और तीन बार उप विजेता रही ज्हान्वी ने पहले दौर में दो बर्डी और एक बोगी से एक अंडर 70 का स्कोर बनाया। वह पहले दौर में अंडर पार का स्कोर बनाने वाली एकमात्र खिलाड़ी रही। ज्हान्वी की बहन हिताषी दो बर्डी और दो बोगी से पार 71 के स्कोर से दूसरे स्थान पर हैं। गौरिका बिश्नोई चार बोगी और तीन बर्डी से एक ओवर 72 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर चल रही हैं जबकि वाणी कपूर, एमेच्योर स्नेहा सिंह और आर्डर आफ मेरिट में शीर्ष पर चल रही अमनदीप द्राल दो ओवर 73 के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

साइ ने 162 खिलाड़ियों और 84 कोच को पुरस्कार दिये , खेल मंत्री ठाकुर ने दी बधाई

85.02 लाख रूपये की नकद राशि भी दी गयी

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बुधवार को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पहले साइ संस्थानिक पुरस्कारों से सम्मानित किया है। बुधवार को 162 खिलाड़ियों और 84 कोच सहित कुल कुल 246 को ये पुरस्कार प्रदान किये गये। यह पुरस्कार समारोह जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया इसमें खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक भी उपस्थित थे। इन पुरस्कारों में 85.02 लाख रूपये की नकद राशि भी दी गयी। इस अवसर पर ठाकुर ने कहा, ''आज जिन खिलाड़ियों और कोच को सम्मानित किया गया, उन सभी को मैं हार्दिक बधाई देता हूं। खिलाड़ियों को कई तरह की सुविधायें दी जा रही हैं। हर खिलाड़ी अपनी पीढ़ी के लिये एक प्रेरणा है। ''पुरस्कारों के वर्गों में राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों के लिये 'आउटस्टैंडिंग' पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों के लिये सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार भी शामिल रहा। पुरस्कारों में साल 2016 से ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत साइ के खिलाड़ियों और कोच के प्रदर्शन का आंकलन किया गया। इस तरह पुरस्कार 2016-17, 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिये दिये गये। खेलमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि खेल राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''जब एक छात्र की खेल उपलब्धियों की घोषणा उसके स्कूल में की जाती है तो इससे अन्य छात्र भी शिक्षा से बाहर की चीजों को देखने के लिये प्रेरित होते हैं और अपने जीवन में खेलों को शामिल करते हैं। एक खिलाड़ी की यही शक्ति है।''

वेंकटेश अय्यर करेंगे डैब्यू, कोच द्रविड़ की उपस्थिति से होने वाले फायदा पर बोले

जयपुर ।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मैच में वेंकटेश अय्यर को डैब्यू करने का मौका मिला है। वेंकटेश ने आई.पी.एल. में शानदार प्रदर्शन किया था जिसके कारण उन्हें टीम इंडिया में जगह मिली थी। अब पहले टी-20 की प्लेइंग-11 में जगह पाकर वेंकटेश ने बताया कि वह भारतीय टीम के 'ड्रेसिंग रूम' में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ द्वारा सिखाई जाने वाली सभी चीजों को अच्छी तरह दिमाग में रखने की कोशिश करेंगे। इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करने वाले वेंकटेश को राष्ट्रीय टी-20 टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाजी आल राऊंडर होने के नाते उम्मीद है कि उनकी मौजूदगी से टीम की पहली पसंद हार्दिक पंड्या पर हर वक्त खुद को बेहतरीन दिखाने का दबाव होगा। वेंकटेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले 'बीसीसीआई डॉट टीवी' से कहा कि मैं जितना भी सीख सकता हूं, वह सीखना चाहता हूं जिसमें राहुल सर दिग्गज हैं और उनके पास चीजें साझा करने के लिए काफी कुछ है। उन्होंने कहा कि हम चीजों को किस तरह सीखते हैं यह इस निर्भर करेगा कि हमसे क्या करने के लिए कहा जाता है। मैं दिमाग में कुछ लेकर नहीं आया हूं इसलिए जो भी सिखाया जाएगा, मैं उसे उसी तरीके से सीखूंगा। कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें कुछ महत्वपूर्ण गुर दिए हैं और यह निश्चित रूप से एक विशेष क्षण था। वेंकटेश ने कहा कि अगर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक रोहित शर्मा मुझसे कुछ चीज साझा करते हैं तो यह विशेष ही होगी। मैं इस टूर्नामेंट के प्रत्येक क्षण का लुत्फ उठाने की कोशिश करूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने कप्तान, कोच और ऋषभ पंत से भी बात की थी। उन्होंने मेरा टीम में स्वागत किया जिससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

टिम ब्रेसनन ने नस्लीय टिप्पणी करने से किया इंकार, पर इस चीज के लिए मांगी माफी

लंदन ।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टिम ब्रेसनन ने अजीम रफीक से रौब झाड़ने के उनके दावों के लिए माफी मांगी है लेकिन यार्कशर के अपने इस पूर्व साथी के लिए किसी तरह की नस्लीय टिप्पणी करने का पुरजोर खंडन किया है। रफीक ने मंगलवार को सांसदों की डिजीटल, संस्कृति, मीडिया और खेल समिति के सामने अपनी बात रखते हुए नस्लवाद और भेदभाव के अपने अनुभवों को साझा किया। गवाह के रूप में अपने बयान में 30 वर्षीय रफीक ने दावा किया कि ब्रेसनन उनके लिये अक्सर नस्लीय टिप्पणी करते थे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वह उन छह या सात खिलाड़ियों में शामिल थे जो उन पर रौब झाड़ते थे। ब्रेसनेन ने ट्विटर पर जारी अपने बयान में कहा कि अजीम रफीक को यार्कशर में परेशान करने के किसी अनुभव में मेरी किसी भी तरह की भूमिका के लिए मैं माफी मांगता हूं। न्यायाधिकरण के सामने अजीम के बयान को मैंने आज दोपहर बाद ही देखा और मैं उनके इन आरोपों का पुरजोर खंडन करता हूं कि मैंने उनके खिलाफ अक्सर नस्लीय टिप्पणी की।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड महिलाओं को क्रिकेट में शामिल करने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड महिलाओं की क्रिकेट में भागीदारी को लेकर विचार कर रहा है। उन्होंने बुधवार को एक महिला क्रिकेटरों की तस्वीर साझा की। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट की गई एक तस्वीर में दो महिला क्रिकेटर मैदान में खेलती नजर आ रही हैं। जो दर्शाता है कि बोर्ड देश में महिलाओं की क्रिकेट में भागीदारी को लेकर विचार कर रहा।तस्वीर साझा करते हुए एसीबी ने लिखा, क्रिकेट न केवल अफगानिस्तान में खेल या मनोरंजन को बढ़ावा देता है, बल्कि अफगानिस्तान की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा के स्रोत के रूप में कार्य भी करता है और देश में एकता और शांति सुनिश्चित करने में भी एक अहम रोल निभाता है। यह तस्वीर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कार्यकारी समूह के लिए भी एक संकेत हो सकता है जो हाल ही में अफगानिस्तान में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद क्रिकेट गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए तैयार है।

भारत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी पर कोविड नियमों का खुलकर उल्लंघन

जयुपर ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले की शुरुआत से पहले कोविड-19 बचाव दिशानिर्देशों का खुलकर उल्लंघन हुआ जब बड़ी संख्या में दर्शकों और स्थानीय पुलिसकर्मियों को बिना मास्क के देखा गया। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद यह भारत में पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच है। श्रृंखला के पहले मुकाबले के लिए स्टेडियम में दर्शकों की संख्या को सीमित नहीं किया गया है लेकिन दर्शकों को टीकाकरण या आरटी-पीसीआर परीक्षण का नेगेटिव नतीजे का सबूत दिखाने पर ही सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रवेश की स्वीकृति है। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) को मैच के सभी टिकट बिकने की उम्मीद थी लेकिन मैच शुरु होने से आधा घंटे पहले तक 25 हजार दर्शकों की क्षमता वाला स्टेडियम आधे से अधिक भी नहीं भरा था। स्टेडियम के बाहर खड़े प्रशंसक शहर में आठ साल के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी से रोमांचित थे लेकिन उनमें से कम से कम आधे प्रशंसकों ने मास्क पहनना जरूरी नहीं समझा। स्टेडियम की सुरक्षा में तैनात कई पुलिसकर्मियों को भी बिना मास्क के देखा गया। एक स्थानीय प्रशंसक अनिल गुप्ता ने स्टेडियम के भीतर बताया- मैं यहां अपने बेटे के साथ आया हूं क्योंकि मुझे मुफ्त पास मिला था। यहां बिक रहा खाने का सामान काफी महंगा है। यह पूछने पर कि क्या प्रवेश के समय उनके टीकाकरण की स्थिति की जांच की गई तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। अनिल गुप्ता ने भी मास्क नहीं पहना था। एक कॉलेज छात्र मोहित शेरा को भी बिना मास्क के घूमते देखा गया। मोहित ने कहा- मैं यहां इसलिए आया हूं क्योंकि लंबे समय बाद यहां अंतरराष्ट्रीय मैच हो रहा है। मैं स्वयं भी खेलता हूं और मैच देखना रोमांचक है। मोहित से जब यह पूछा गया कि उन्होंने मास्क क्यों नहीं पहना तो वह भागकर वापस अपनी सीट पर चला गया। महामारी के बीच यह पहला मौका है जबकि स्टेडियम के अंदर दर्शकों की सीमा तय नहीं की गई है। इस साल की शुरुआत में भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला का आयोजन स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत दर्शकों की मौजूदगी में हुआ था जबकि बाद में कोविड-19 मामले बढ़ने के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का आयोजन खाली स्टेडियम में किया गया।

बीएफआई ने अदालत से कहा, विश्व चैंपियनशिप के लिए चयनित खिलाड़ियों की हो सकती है समीक्षा

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि आगामी महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप को मार्च तक के लिए स्थगित किये जाने के कारण वह देश का प्रतिनिधित्व करने के लिये चुने गए खिलाड़ियों पर अपने पहले के फैसले की फिर से समीक्षा कर सकता है। इन खिलाड़ियों में राष्ट्रीय चैम्पियन अरुंधति चौधरी शामिल नहीं हैं। उन्होंने चैंपियनशिप के लिए नहीं चुने जाने पर अदालत का दरवाजा खटखटाया था जिसकी सुनवाई न्यायमूर्ति रेखा पल्ली कर रही थी। बीएफआई के वकील पार्थ गोस्वामी ने अदालत से 2 सप्ताह का समय मांगा ताकि खेल महासंघ यह फैसला कर सके कि वह पहले चयनित खिलाड़ियों को बनाए रखना चाहता है या नई टीम का चयन करना चाहता है। वकील ने कहा, 'हमें दो सप्ताह का समय दो, बीएफआई फैसला कर सकता है।' बीएफआई के रुख को ध्यान में रखते हुए न्यायाधीश ने मौजूदा युवा विश्व चैंपियन चौधरी की याचिका पर सुनवाई टाल दी और कहा कि चयनित खिलाड़ी ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को एक पक्ष बनाने के लिए अभी कोई आदेश नहीं दिया जा सकता है। चौधरी ने अपनी याचिका में कहा था कि लवलीना को ट्रायल्स में भाग लिए बिना विश्व चैंपियनशिप की टीम में चुना गया। अदालत ने इस 19 वर्षीय मुक्केबाज की याचिका पर 10 नवंबर को बीएफआई और खेल मंत्रालय को नोटिस जारी किया था। इस्तांबुल में चार से 18 दिसंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप को तुर्की में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण अगले साल मार्च तक के लिये स्थगित कर दिया गया है।

LRD भर्ती में सड़े हुए दांत भी मुसीबत बन सकती है

महिला उम्मीदवारों को १६०० मीटर की दौड़

५००० मीटर की दौड़ पुरूषों के लिए, दौड़ जो २० मिनट या इसकी अपेक्षा कम समय में पूरी करे यह २५ मार्क्स मिलेगा

गांधीनगर।

गुजरात पुलिस द्वारा सशस्त्र पुलिस/ निहत्थे पुलिस कॉन्स्टेबल लोकरक्षक और सीआरपीएफ कॉन्स्टेबल संवर्ग की खाली जगहों की सीधी भर्ती प्रकाशित की गई है। आज जारी की गई घोषणा के अनुसार राज्य में कुल इस वर्ग की १०४५९ ज गह भर्ती की जाएगी। इस भर्ती में कुल १,४२,०८७ उम्मीदवार फीस भरने के पात्र है फीस भरे हुए उम्मीदवारों के लिए अब शारीरिक टेस्ट की तारीख आ गई है। एलआरडी की शारीरिक टेस्ट १-१० दिसंबर के दौरान शुरू होगा यह टेस्ट दो महीने तक आयोजित किया जाएगा और यह पूरा होने पर लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों को दौड़ का पूरा मार्क्स लेने के लिए क्या करना इसकी यहां टिप्स दी गई है। यह टेस्ट पहले एलआरडी भर्ती के प्रमुख आईपीएस हसमुख पटेल ने उम्मीदवारों को दो सलाह दी है। एक तो उन्होंने उम्मीदवारों को युक्ति प्रयुक्ति करने के बदले मेहनत पर ध्यान देने की सलाह दी है। दूसरी भर्ती में पसंदगी हो या नहीं हो ऐसे लोग अपनी ऐसे पहचान खड़ी करेंगे जो उनको जीवन में हमेशा सफल बनाएगा। हसमुख पटेल ने विद्यार्थियों को अभी से ही लिखित परीक्षा की तैयारी करने की कही है। हालांकि, प्रथम लिखित परीक्षा से ज्यादा शारीरिक क्षमता का है। इस टेस्ट में फेल हुए तो एलआरडी पास होने का सपना फेल हो जाएगा। फिजिकल टेस्ट के लिए पुरूष उम्मीदवार को ५००० मीटर की दौड़ २५ मिनट में भागना होगा। हर पांच मिनट १,००० मीटर दौड़ना है। यानी कि पांच मिनट में कम से कम एक किलोमीटर दौड़ना है। जबकि महिला उम्मीदवार को १६०० मीटर की दौड़ ९ मिनट ३० सैंकन्ड में पूरा करना है यानी कि हर मिनट पर कम से कम ०.३८ किलोमीटर दौड़ना पड़ेगा।

गुटखा खाकर चलती बस से थूंकने के प्रयास में नीचे गिरे युवक की मौत

सूरत।

तम्बाकूयुक्त गुटखा-मसाले का सेवन स्वास्थ्य के हानिकारक है और इसका बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार किया जाता है। इसके बावजूद लोग गुटखा-मशाले का सेवन करने से बाज नहीं आते। गुटखा का असर स्वास्थ्य पर भले ही देर सबेर से हो, लेकिन कभी कभार इसे खाकर थूंकने का प्रयास जानलेवा बन जाता है। गुटखा-मसाला खाकर वाहन चलाते या उसमें सवारी के दौरान कोई थूंकने के वक्त यह सोचता कि ऐसा करने से दुर्घटना हो सकती है। ऐसी ही एक घटना सूरत के अंबेठा गाम दांडी रोड से सामने आई है। सूरत जिले की चौर्यासी तहसील के वक्ताणा निवासी 39 वर्षीय भूपेन्द्र करशनभाई सूरती मजदूरी कर जीवनयापन करते हैं। बीते दिन भूपेन्द्र सूरती अपने मित्र विपुल चौधरी के साथ बारात में गए थे। प्राइवेट बस में बारात तड़के वापस लौट रही थी। उस वक्त बस ड्राइवर के निकट खड़े होकर गुटखा चबा रहे थे। बस जब अंबेठा गाम दांडी रोड से गुजर रही थी, तब भूपेन्द्र चलती बस से थूंकने की कोशिश में नीचे जा गिरे। इस घटना में भूपेन्द्र के सिर में गंभीर चोट लगी। बस के ड्राइवर ने तुरंत एम्ब्युलैंस 108 खबर की। गंभीर हालत में भूपेन्द्र को एम्ब्युलैंस की मदद से सूरत के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां मौके पर मौजूद डॉक्टरों ने भूपेन्द्र को मृद घोषित कर दिया। मृतक भूपेन्द्र पटेल पत्नी से डिवॉर्स होने के बाद अपनी माता और भाई के साथ रहते थे। सूरत की ओलपाड पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाम में भुल की वजह से गुजरात के मछुआरे को पाक ने बंदी बनाया

राजुला।

उना तहसील के समुद्र किनारे पर स्थित नवाबंदर गांव में रहता एक मछुआरा बाबूभाई बांभणिया निजामुद्दीन १ नाम की नाव मेमं खलासी के तौर पर काम करता था।

मार्च २०१७ में पाकिस्तान मरीन सिक्योरिटी गार्ड द्वारा यह नाव सहित सात मछुआरे को बंदी बनाकर पाकिस्तान की जेल में कैद किया गया था। उल्लेखनीय है कि सजा पूरी होने पर छह मछुआरों को वर्ष २०१८ में छोड़ दिया गया था। वह अपने वतन वापस आये थे लेकिन नवाबंदर के बाबूभाई बांभणिया घर पर नहीं आ सके। नाम में हुई एक भूल की वजह से बाबूभाई को रिहा नहीं किया गया था। बाबूभाई ने परिवार को पत्र लिखा तब जानकारी मिली कि पाकिसानी जेल में उनके पिता का नाम करशनभाई के स्थान पर किशनभाई लिखा गया है, जिसकी वजह से उनको रिहा नहीं किया गया।

उल्लेखनीय है कि एक वर्ष पहले उना के सीनियर रसिकभाई चावडा और राज ुला के अजय शियाल को इस बात की जानकारी मिलने पर उन्होंने परिवार का संपर्क किया था। यह सीनियरों ने जरूरी दस्तावेज परिवार से मांगा और इसके बाद भारतीय हाई कमिश्न इस्लामाबाद, फिशरीज कमिश्नर गांधीनगर सहित के विभागों को पत्र लिखकर पेशकश की थी। उन्होंने अपनी पेशकश के साथ मछुआरे के सभी दस्तावेज को शामिल किया था। सिर्फ १५ ही दिन में इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमिश्न और गांधीनगर से भी जबाव मिला था। गृह मंत्रालय तरफ से पिता के नाम में सुधार किया गया है। जल्द ही पाकिस्तान की जेल में कैद

२० मछुआरों को रिहा करना है। यह मछुआरों के साथ नवाबंदर के मछुआरा बाबूभाई भी मुक्त होगा और आखिर में अपना वतन वापस आ सकेंगे। बाबूभाई के परिवार में भी खुशी का माहौल है। उल्लेखनीय है कि गुजरात के पास देश का सबसे बड़ा समुद्री किनारा है। गुज रात में बड़ी संख्या में लोग मछुआरे व्यवसाय के साथ जुड़े हुए हैं।

सूरत स्टेशन पर युवती का पीछा करने वाला शख्स हिरासत में

सूरत।

वलसाड में गुजरात क्विन एक्सप्रेस के कोच में नवसारी की १८ वर्ष की युवती की आत्महत्या की जांच कर रही पुलिस की संयुक्त टीम ने सूरत रेलवे स्टेशन पर युवती का पीछा करता एक शख्स को हिरासत में लिया है। यह युवती की लाश मिलने के पहले सीसीटीवी में कैद हुआ था। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम ने शहर से युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए अहमदाबाद ले गई थी। युवक सूरत जीएसआरटीसी बस स्टोप से रेलवे स्टेशन तक पीड़िता का पीछा करता होने का मालूम हुआ है और युवती के साथ अश्लील हरकत भी किए जाने की आशंका है। पुलिस के बताये अनुसार, अहमदाबाद डीसीबी ने युवती की कथित बलात्कार के केस की जांच के लिए अन्य एजेंसी साथ सूरत की मुलाकात की थी। पुलिस ने सूरत एसटी बस स्टैंड पर से युवती के पीछे हाथ में मोबाइल फोन पकड़कर शोर्ट्स पहनने एक शख्स को ढूंढ निकाला था और उसने रेलवे स्टेशन पर जाते हुए देखा था। यह रेलवे प्लेटफॉर्म तक इसके पीछे चलता और फूटेज में अश्लील करते हुए देखने को मिला था। पुलिस को जानकारी मिली है कि यह व्यक्ति बेकरी का कर्मचारी है और निकट के झोपडपट्टी में रहता है। पुलिस के सूत्रों ने जानकारी दी है कि यह व्यक्ति हैदराबाद का निवासी है और शहर की एक बेकरी में काम करता है। पुलिस ने दावा किया था कि वह हिंदी या गुज राती बोलने में कम्फर्टेबल नहीं है। पुलिस युवती का पीछा करने का उसका उद्देश्य जानने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि युवती की मौत संबंध में यह कोई अपराध में शामिल है किहीं यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस सूत्रों ने यह दावा किया है कि कथित बलात्कार की घटना के बाद वैक्सिन इंस्टीट्यूट ग्राउंड के पास सीसीटीवी फूटेज में दिखाई देने पर दो इंस्टीट्यूट ग्राउंड के पास सीसीटीवी फूटेज में दिखाई देने पर दो शख्सों को भी वडोदरा पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। इसमें से एक ऑटो रिक्शा चालक है। सोमवार को शाम को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और वडोदरा क्राइम ब्रांच की टीम ने फिर से वैक्सीन इंस्टीट्यूट ग्राउंड और आसपास के क्षेत्रों की जांच के लिए मुलाकात की थी। पुलिस ने इमरान नाम के एक व्यक्ति को ट्रेस किया गया है, जो कर्नाटक में एक कॉल सेंटर में काम करते है और जिस दिन युवती पर कथित बलात्कार हुआ था उसी दिन में उसने करीब ३६ सैकंड तक युवती के साथ बात की थी। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता वडोदरा में घटनास्थल पर के पास साइकिल पर आई थी यह साइकिल कहां इस मामले में कई सवाल खड़े हो रहे है।

हाल में पुलिस ने सूरत रेलवे स्टेशन पर युवती का पीछा करने वाला एक व्यक्ति की हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। रेलवे स्टेशन की मुलाकात लेने वाले एसपी परिक्षिता राठोड के बताये अनुसार बलात्कार की घटना के दिन शाम के समय पीड़िता साइकिल पर घटनास्थल पर आई थी। वहां आई लक्ष्मी सोसाइटी के एक दरवाजा से उनकी संस्था सिर्फ २०० मीर दूर स्थित है। यह सोसाइटी के दरवाजे तक पहुंचे युवती साइकिल पर वापस आई होने की सीसीटीवी फूटेज में दिखाई दी थी। यह साइकिल कहां है यह अभी तक नहीं मिल सकी। जिसकी वजह से अब युवती की कथित आत्महत्या केस में रहस्यमय है।

सूरत भूमि, सूरत -केरल में हो रहे राष्ट्र भक्तों पर हमला हत्या के संदर्भ में प्रांत अधिकारी को और बड़ा प्रधान नरेंद्र मोदी जी को पत्र पत्र लिखकर सख्त कार्यवाही की मांग की

सूरत भूमि, सूरत - वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण में कॉन्ग्रेस के पदाधिकारियों द्वारा दिवाली मिलन समारोह रखा गया था इस अवसर पर पदाधिकारियों द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया

भाई के चाचा ससुर ने दुष्कर्म करने पर किशोरी गर्भवती

सूरत।

राज्य में महिलाओं पर बलात्कार की घटनाएं प्रतिदिन बढ़ रही है। डायमंड सिटी सूरत फिर एक बार दुष्कर्म की घटना से शर्मिंदगी का सामना कर रहा है। सिंगणपोर की १२ वर्षीय किशोरी को भाई के चाचा ससुर ने बारबार दुष्कर्म करके गर्भवती बनाई जाने की घटना सामने आई है। जिसमें किशोरी को ४ महीने का गर्भ निकला है। इस घटना को लेकर सूरत में अपराध दर्ज हुआ है। दूसरी तरफ पुलिस ने अपराध दर्ज करके जीरो नंबर से अपराध बांसवाडा ट्रांसफर किया गया है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, सिविल में स्थित सूरत सिंगणपोर क्षेत्र की १२ वर्षीय किशोरी गर्भवती होने की सच्चाई सामने आने के बाद उसके भाई ने ही उसे राज स्थान में बेच दिए जाने से चाचा ससुर ने किशोरी पर बारबार बलात्कार किए जाने का पिता ने आरोप लगाने पर पुलिस एक्शन में आ गई थी। किशोरी को पेट में दर्द होने की शिकायत की थी, जिसकी वजह से अस्पताल ले जाने पर पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया। इस मामले में मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को सुबह में सिविल में पहुंची मासूम ने ड्यूटी पर के डॉ. उमेश चौधरी के समक्ष आपबीती बताने पर और प्राथमिक जांच में उसे गर्भ होने का मालूम होने पर उसे तुरंत सिंगणपोर पुलिस को जानकारी दी गई थी। डॉ. चौधरी के समक्ष पीड़ित किशोरी के पिता ने बताया है कि, पीड़िता के तीन भाई और एक बहन है। खुद चार महीने पहले वतन बिहार गये थे। अब पीड़िता को भाई भाभी के साथ छोड़ गया था। इसके बाद डेढ़ महीने पहले वापस आने पर और बेटी घर पर नहीं दिखाई देने पर उसने बेटा और बहू को पूछने पर उसने कोई संतोषकारक जबाव नहीं दिया था। इसके जाने के बाद पीड़िता घर से लोट लेने के बाद वापस फिर से नहीं होने का बताया था। दीवाली के दिन पीड़िता ने पिता को फोन करके खुद राजस्थान, बांसवाडा में दयनीय अवस्था में होने की बात की थी। चार पांच दिन पहले पिता उसे घर पर वापस लेकर आया था।

समग्र सूरत के राजमार्गों पर आज से दौड़ेगी संयम एक्सप्रेस

सूरत भूमि सूरत- वेसु अध्यात्म नगरी में होने वाली 75 सामूहिक दीक्षा सिंहसतत्वोत्सव के लिए हर किसी को आमंत्रण देने और महा महोत्सव के अद्भुत विविध कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए यह संयम एक्सप्रेस दौड़ेगी। ट्रेन में से बच्चों को खास गिफ्ट दिया जाएगा।

चुक चुक करती हुई संयम एक्सप्रेस आने वाली 29 नवंबर तक सूरत के राजमार्गों पर दौड़ेगी संयम एक्सप्रेस को बुधवार को संयम की नगरी के रूप में स्थापित हो चुकी अध्यात्म नगरी के पवित्र प्लेटफार्म पर से लाभार्थी लालन हरगोविंदास परिवार ट्रस्टी गण उपधान के लाभार्थी संघवी परिवार तथा जैन अग्रणी नीरवभाई शाह ने हरी झंडी दिखाई।

श्री शांति कनक श्रमण उपासक ट्रस्ट अध्यात्म परिवार द्वारा आयोजित तथा श्री रामचंद्र तथा सूरी शांति चंद्र समुदाय के तरफ से सूर्य भगवन आदि विशाल रमण रमणी वृंद की निस्तारण निश्रा में होने वाली सिंह सतवंत सब में उपकारी महापुरुषों के प्रताप से और दीक्षा धर्म के महानायक योग तिलक सुरेश्वर जी महाराज की वैराग्य मित्र अति वाणी के प्रभाव से तारीख 29 नवंबर को होने वाली 75 सामूहिक दीक्षा उत्सव में बुधवार को संयम एक्सप्रेस का नया आकर्षण उभरा। वेसू अध्यात्म नगरी से बुधवार को ढबुक्का नासिक ढोल के साथ संयम एक्सप्रेस त्याग धर्म का नगाड़ा बजाते हुए निकली। जब जन्म जयंती जिनशासन के नाम से पूरा नगर गूंज उठा था। घर-घर और घट घट में सच्चा सुखी बनाने के संदेश पहुंचाने वाली संयम एक्सप्रेस ट्रेन तारीख 29 तक सूरत के विविध विस्तार में दौड़ेगी एक डब्बे में सिंह की आकृति पहने हुए व्यक्ति सिंहसत्त्वोत्सव का सुगंध सूरत में फैलाएगा और मार्ग में बच्चों को विविध प्रकार के तोफे भी देगा। संयम एक्सप्रेस सूरत के 75 दीक्षा महोत्सव के लिए सच्चे अर्थ में संयम का पता पहुंचाएगा महा महोत्सव के लिए केवल 8 दिन है ऐसे में हर दिन नए आकर्षणों के साथ सूरत में दीक्षा त्याग धर्म का नया मेघधनुष बनाया जा रहा है इस सिंह सतवंत को देखने के लिए पूरे भारत में से सैकड़ों भाविक सूरत में होने वाले त्याग धर्म के स्वर्ण इतिहास सम रजोहरण और लोच की क्रिया के साक्षी बनने सूरत आ रहे हैं। जो इस उत्सव में चार चांद लगाएगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)